Subscribe Amar Bhaskar News @amarbhashkarnews Amar bhashkar

हिन्दी दैनिक

अमर भास्कर

ज़िद सच की

बरेली, मुरादाबाद, अलीगढ़, आगरा, बस्ती, सहारनपुर मंडल, दिल्ली एनसीआर, उत्तराखंड एवं राजस्थान में प्रसारित

कोई भी न्यायपालिका को धौंस नहीं दिखा सकता: सीजेआई.....०1

Email- amarbhashkar21@gmail.com, www.amarbhashkar.in

एशियन गेम्स के विजेताओं से मिले पीएम मोदी बोले-......०1

वर्ष: ०४ अंक: १०५ बदायूं, शुक्रवार 16 अक्टूबर 2026 पृष्ठ- ०८ मूल्य- 4.०० रूपये

एशियन गेम्स के पदक विजेताओं से मिली पीएम

बोले- खिलाड़ियों ने तिरंगे का मान बढ़ाया

दिल्ली। पीएम ने कहा, बीते एक दशक में देश में जो व्यवस्थाएं विकसित हुई हैं, उससे युवाओं को भरोसा हुआ है कि उनके सपनों को आगे बढ़ाने के लिए देश का पूरा सामर्थ्य उनके साथ खड़ा है। हमारा प्रयास सिर्फ खेलने वाले खिलाड़ियों तक सिमित नहीं है। कोचिंग फीजियोथेरेपी में भी नए अवसर बन रहे हैं। खेलों के साथ साथ इससे जुड़े प्रोफेशन भी आगे बढ़ रहे हैं। आज हम जिस किसी भी फील्ड अपनी सफलता के लिए तो परिश्रम तो करना ही है, साथ ही नई पीढ़ी को गढ़ने की जिम्मेदारी भी उठानी है। इंटरनेशनल टूर्नामेंट्स जो होंगे, उसमें आप उन बच्चों की मदद करें जो आगे बढ़ने का सपना देख रहे हैं।

जब समय मिले अपने गांव अपने शहर के बच्चों से मिलिए। आपने अनुभव उन बच्चों के बहुत काम आ सकते हैं। आपकी छोटी सी बात उन्हें खेलों में आगे बढ़ने का मौका दे सकती है। देश के युवाओं को आपसे केवल स्पोर्ट्स की ही प्रेरणा नहीं मिलती है, खेल हमें जीवन में अनुशासन सिखाते हैं, हार से जीतने की सीख खेलों से मिलती है। एक समय तक लक्ष्य के लिए नियमित रहना है, स्पोर्ट्स हमारे जीवन का हिस्सा बन जाता है। यही स्पोर्ट्स मैन स्पिरिट जीवन भर काम आती है। जो खेलेगा वो खिलेगा। आप भी खेलते रहिए, खिलते रहिए, आने वाले प्रतियोगिताओं के लिए आप सभी को अनेक अनेक शुभकामनाएं। आपका यह उत्साह, ये आत्मविश्वास नए भारत की सबसे बड़ी ताकत है। इसी आत्मविश्वास के साथ हमें भारत को नई बुलंदियों तक पहुंचाना हैश्

पीएम ने आगे कहा, श्सपने एक दिन में पूरे नहीं होते। इसमें वर्षों का धैर्य और लगातार परिश्रम अनिवार्य होता है। भारत ने भी बीते 12 वर्षों में बहुत धैर्य के साथ अपने स्पोर्ट्स कल्चर पर काम किया है। पहले गिने चुने मेडल्स आते थे। कितने खेल ऐसे थे, जिसका तो पता ही नहीं होता था। पहले ओलंपिक जैसा इवेंट होता था और आधे से ज्यादा खेलों में हमारा कोई प्रतिनिधित्व ही नहीं होता था। अब सोचिए जब हम कम्पीट ही नहीं करेंगे तो मेडल कहां से लाएंगे। हमने संकल्प लिया कि हम इस निराशावादी मानसिकता को हटाएंगे। इसका नतीजा यह हुआ कि हर खेल में हमारा प्रतिनिधित्व बढ़ रहा है। यह बदलाव आया है उसी स्पिरिट से, जिसकी बदौलत आपने क्षमता हासिल की है। बीते 12 वर्षों में निरंतरता से प्रयास किया गया है। दूरगामी विजन से काम किया गया है। जैसे कि आप सब जानते हैं, हमने टॉप्स स्कीम और खेलो इंडिया शुरू किया। खेलो इंडिया के लिए हमने 36 हजार से ज्यादा एलोकेट किए। आज देश में 1००० से ज्यादा खेलो इंडिया सेंटर बनाए गए हैं। टॉप्स स्कीम के तहत खिलाड़ियों को 5० हजार रुपये महीने मिल रहा है। अगर किसी खेल में कोचिंग के लिए देश से बाहर जाने की जरूरत है, तो सरकार उसी भी आर्थिक सहायता दे रही है। खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा मौके मिले, उसके लिए विंटर गेम्स, सांसद खेल प्रतियोगिता शुरू की गई। हमारे दिव्यांग खिलाड़ी भी अपनी प्रतिभा और सामर्थ्य से देश का गौरव बढ़ा रहे हैं। उनके लिए भी बेहतर खेल सुविधा सुनिश्चित की जा रही है। आज हर खिलाड़ी को भरोसा होता है कि देश उसके साथ है। जब खिलाड़ी को यह भरोसा होता है, तो वह देश के लिए क्या कर दिखाता है।

राजनाथ सिंह की पाकिस्तान को चेतावनी, कहा- आतंकी हमला हुआ तो कड़ा जवाब देगा भारत

दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को पाकिस्तान से होने वाले सीमा पार आतंकवाद को लेकर भारत का रुख दोहराया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से होने वाली किसी भी अगली आतंकी घटना का जवाब पहले से भी अधिक कड़ा होगा। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक परंपरा संवाद, सह-अस्तित्व और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करती है, लेकिन शांति की प्रतिबद्धता को कमजोरी नहीं समझना चाहिए।

नई दिल्ली में टाइम्स नेटवर्क डिफेंस कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर, बालाकोट हवाई हमले और सर्जिकल स्ट्राइक केवल सैन्य अभियान नहीं थे। ये आतंकवाद के खिलाफ भारत की रणनीति में निर्णायक बदलाव के प्रतीक थे। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल कूटनीतिक विरोध जताने तक सीमित नहीं है, बल्कि आतंकवाद के स्रोत तक पहुंचकर उसे खत्म करने के लिए सक्रिय कदम उठाता है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि 2०14 के बाद से ज्यादातर आतंकियों की सक्रियता की अवधि घटकर एक साल से भी कम रह गई है। उनके मुताबिक, भारत के खिलाफ हथियार उठाने के एक साल के भीतर सुरक्षा बल ऐसे आतंकियों को मार गिरा रहे हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि शांति बनाए रखने के लिए ताकत और क्षमता जरूरी हैं। भारत शांति चाहता है, लेकिन देश की रक्षा के लिए जरूरत पड़ने पर युद्ध का सामना करने को भी तैयार है। उन्होंने कहा, शांति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अटूट है, लेकिन हम किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हमारा लक्ष्य ऐसा भारत बनाना है, जो शांति की वकालत करे, लेकिन सुरक्षा के मामले में सतर्क रहे और अपनी संप्रभुता, अखंडता तथा राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम हो। बदलते सुरक्षा परिदृश्य का उल्लेख करते हुए रक्षा मंत्री ने हाइब्रिड, हाईटेक और अत्यधिक तीव्र युद्ध के दौर में सतर्कता और तैयारी बढ़ाने की जरूरत बताई।

एक नजर

अखिलेश यादव बोले- इस बार भाजपा का घड़ा नहीं, टैंकर फूटेगा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर भाजपा और चुनाव आयोग पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने मतदाता सूची में गड़बड़ी, विपक्षी मतदाताओं के नाम काटने और फर्जी वोट जुड़वाने का आरोप लगाते हुए सपा कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने की अपील की। अखिलेश ने कहा कि इस बार भाजपा का घड़ा नहीं, बल्कि टैंकर फूटेगा। उन्होंने दावा किया कि पीडीए, मुस्लिम-यादव और युवा मतदाताओं के समर्थन से सपा चुनाव में जीत हासिल करेगी।

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में गड़बड़ी के जरिए एक व्यक्ति के नाम पर कई वोट दर्ज किए जा रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि एक वोट व्यक्ति डालेगा और नौ वोट भाजपा डालेगी। उन्होंने नंदलाल निषाद का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें सामने लाने के लिए एक लाख रुपये का पुरस्कार रखा गया था, लेकिन वह खुद सामने आ गए। अखिलेश ने दावा किया कि उन्हें दस्तखत करना भी नहीं आता।

उन्होंने विकास यादव और शंभू शंकर शर्मा के नामों का जिक्र करते हुए मतदाता सूची से जुड़े सवाल उठाए। अखिलेश ने कहा कि उनकी पार्टी ने 1०० विधानसभा क्षेत्रों में शिकायतें की हैं। उन्होंने सपा कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अपने समर्थकों के वोट जुड़वाएं और किसी का नाम गलत तरीके से कटने न दें। उन्होंने 17 और 24 तारीख को इस लिहाज से महत्वपूर्ण बताया। सपा अध्यक्ष ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि चुनाव आयोग की साख खत्म हो चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग कई मौकों पर भाजपा के साथ खड़ा दिखाई दिया। अखिलेश ने कुंदरकी उपचुनाव का जिक्र करते हुए चुनाव में धांधली का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि पीडीए परिवार का कोई व्यक्ति चुनाव ड्यूटी में नहीं है और ईआरओ के स्तर पर भी प्रतिनिधित्व को लेकर सवाल हैं। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा नकली वोट जुड़वाने, विपक्षी मतदाताओं के नाम कटवाने के आरोप लगाए है।

कसारी-मसारी की पहचान को मिटाएगी योगी सरकार, अब कृष्ण पुरी के नाम से जाना जायेगा

अमर भास्कर, ब्यूरो

प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया अतीक अहमद के कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर पद्म लोक आवास योजना के लिए भूमि पूजन किया। सभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब यह क्षेत्र कसारी मसारी के नाम से नहीं बल्कि कृष्ण पुरी के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में अब कोई भी माफियागिरी का दुस्साहस नहीं करेगा। अगर करेगा तो मिट्टी में मिला दिया जाएगा और वह अपनी बाप-दादा की संपत्ति भी गंवाएगा।

उन्होंने कहा कि एक साल में यहां करीब 12०० परिवार यानी 65०० लोगों का निवास इस 1० बीघे के कैंपस में होगा। उनके लिए यहां अलग से टाउनशिप बनेगी। मार्केट भी बनेगा। स्पोर्ट्स पार्क और जिम की सुविधा भी मिलेगी। उनकी जो भी जरूरत होगी वह प्रयागराज विकास प्राधिकरण यहां पर मुहैया कराएगा। पहले की सरकारों ने यूपी में पहचान का संकट खड़ा हो गया था। पहले लोग यूपी का नाम सुनने के बाद 1०० मीटर दूर भागते थे, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। यूपी वालों का नाम सुनकर लोग पास आते हैं। महाकुंभ के चलते सड़कें चौड़ी हुई हैं। पहले कसारी मसारी और चकिया इलाके में कोई घुसने का प्रयास नहीं करता था। सामान्य व्यक्ति की तो बात दूर है पुलिस की गाड़ी तक नहीं आती थी, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। कहा कि अब कोई भी माफियागिरी नहीं करेगा। करेगा तो बाप और दादा की संपत्ति भी गंवाएगा।

वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज के एक चुनावी सम्मेलन में समाजवादी पार्टी (सपा) की पूर्ववर्ती सरकारों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पिछली सरकारों के दौर में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जाता था। उन्होंने कहा कि उस समय न तो समय पर नौकरियां निकलती थीं और यदि विज्ञापन आ भी जाते थे, तो वसूली का दौर शुरू हो जाता था। अयोग्य लोगों को आयोगों में महत्वपूर्ण पदों पर बैठाकर युवाओं के अधिकारों पर डाका डाला गया, लेकिन डबल इंजन की सरकार ने पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और योग्यता के आधार पर युवाओं को नौकरियां प्रदान की हैं। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि आज प्रयागराज के युवा और प्रतियोगी छात्र पूरी मुस्तैदी और मेहनत के साथ विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हैं। डबल इंजन सरकार के कार्यकाल में पारदर्शी चयन प्रक्रियाओं के जरिए बड़े पैमाने पर युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गई हैं।

अंकिता भंडारी केस: राहुल गांधी ने राष्ट्रपति मुर्मू को लिख चिठ्ठी

दुष्यंत गौतम की नियुक्ति पर उठाए सवाल

दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर दुष्यंत गौतम की सिक्किम के राज्यपाल पद पर नियुक्ति पर पुनर्विचार करने की मांग की है। उन्होंने अपील की है कि अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच पूरी होने तक दुष्यंत गौतम को राज्यपाल का पदभार न संभालने दिया जाए। राहुल गांधी ने अपने पत्र में इस नियुक्ति पर हैरानी जताते हुए कहा कि अंकिता के परिवार समेत कई लोग दुष्यंत गौतम को इस मामले से जुड़ा मानते हैं। हालांकि, पत्र में लगाए गए इन आरोपों को आरोप के तौर पर ही देखा जाना चाहिए।

अंकिता भंडारी ऋषिकेश के पास स्थित वनंतरा रिजॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट के तौर पर काम करती थीं। 18 सितंबर 2०22 को उनकी हत्या कर दी गई थी। उस समय उनकी उम्र 19 साल थी। राहुल गांधी ने राष्ट्रपति को लिखे पत्र में कहा कि रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य ने अंकिता पर वीआईपी मेहमानों को विशेष सेवाएं देने का दबाव बनाया था, लेकिन उन्होंने इससे इनकार कर दिया। राहुल के मुताबिक, इसके बाद पुलकित आर्य और उसके दो कर्मचारियों ने अंकिता की हत्या कर दी। तीनों को इस मामले में उम्रकैद की सजा हो चुकी है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने पत्र में लिखा कि इस मामले में एक सवाल चार साल से अनुत्तरित है कि आखिर वे वीआईपी कौन थे? उन्होंने बताया कि इस साल जनवरी में उत्तराखंड में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद राज्य सरकार ने इसकी जांच सीबीआई को सौंप दिया था।

सीएम योगी बोले- महापुरूषों को सम्मान देकर ही देश आगे बढ़ेगा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को प्रयागराज पहुंचे। वह तेलियरगंज में स्थित प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी ग्राउंड पर मतदाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे हैं। मंच पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य भी मौजूद हैं। सीएम बृहस्पतिवार दोपहर करीब डेढ़ बजे प्रयागराज पहुंचे। तेलियरगंज चौराहा के पास बाबू मसूरियादीन पासी की प्रतिमा का अनावरण किया। तेलियरगंज स्थित रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफप्रिंटिंग टेक्नोलॉजी के मैदान पर जनसभा को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि मसुरियादीन पासी ने देश की आजादी के लिए नौ साल जेल में बिताया। बाहर आकर भी वह जनजागरण के कार्य में लगे रहे। 1945 विधानसभा के सदस्य चुने गए। देश की आजादी के बाद वह 1952 से 1972 तक चार बार देश की संसद में चुनकर भेजे गए। 952 में एक ही सीट पर दो सांसद चुने जाते थे। उस समय जवाहर लाल नेहरू और मसुरियादीन पासी दोनों एक साथ चुनकर गए थे।

देश के अंदर काले कानून के खिलाफ उन्होंने आवाज उठाई। मसुरियादीन ने सोनकर और पासी समाज को राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़कर सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया। महापुरुषों का सम्मान किसी परिवार की बपौती नहीं है। देश के लिए कुर्बानी देने वालों को सम्मान मिलना चाहिए।

दिल्ली तिरंगा मार्च पर हाईकोर्ट में सुनवाई, दीपके विरोध कर पाएंगे?

दिल्ली। उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और उसके संस्थापक अभिजीत दिपके को 16 अक्तूबर को कनॉट प्लेस सेंट्रल पार्क में विरोध प्रदर्शन से रोकने से इनकार कर दिया। न्यायालय ने पुलिस के इस आश्वासन को दर्ज किया कि उनकी गतिविधि को नियंत्रित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। न्यायमूर्ति नितिन वासुदेव सांबरे और संजय शर्मा की पीठ ने इस मामले की सुनवाई की। कनॉट प्लेस के एक विक्रेता ने याचिका दायर कर पुलिस से सर्वोच्च न्यायालय के कानून के अनुसार विरोध प्रदर्शन नियमित करने का निर्देश मांगा। याचिकाकर्ता के वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि त्योहारों में विरोध प्रदर्शनों से एक और वीकेंड बंद होने पर व्यापारी सड़कों पर आ जाएंगे। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने सीजेपी की गतिविधियों को नियंत्रित करने के कदम बताए। उन्होंने याचिकाकर्ता की आशंका दूर करने का आश्वासन दिया।

कोई भी न्यायपालिका को धौंस नहीं दिखा सकता: सीजेआई

दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को निर्वाचन आयोग और अन्य को एक नोटिस जारी किया है। यह नोटिस लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्षी नेताओं द्वारा दायर एक याचिका पर दिया गया है, जिसमें चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित तौर पर मतदाताओं के नाम हटाए जाने को चुनौती दी गई है। कोर्ट ने इस याचिका पर चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू तथा विवेक जोशी से जवाब मांगा है।

कोर्ट ने 13 याचिकाकर्ताओं में से एक के आचरण पर भी कड़ी आपत्ति जताई है। इन याचिकाकर्ताओं ने उस तरीके को चुनौती दी है, जिससे चुनाव आयोग मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कर रहा है। राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए, सीजेआई ने कहा, हम याचिकाकर्ताओं में से एक से उसके आचरण के बारे में पूछना चाहेंगे।

सुनवाई के दौरान राहुल गांधी और अन्य नेताओं के कथित एसआईआर अनियमितताओं के विरोध में सुप्रीम कोर्ट तक मार्च का जिक्र होने पर सीजेआई ने कहा, कोई भी न्यायपालिका को दबाव में नहीं डाल सकता। वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने अदालत में राजनीतिक जुलूस और उसके घटनाक्रम पर आपत्ति जताते हुए कहा कि करीब 2०० वकीलों ने इस तरह के दबाव बनाने के प्रयास पर चिंता जताते हुए ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि अदालत ऐसी घटनाओं से अनजान नहीं है और वह एकांतवास में नहीं है, हमें पता है कि बाहर क्या हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कमजोर प्रयासों पर कोई ध्यान नहीं देता, जबकि अदालत बाहर दिए जा रहे बयानों से भी अवगत है। सुनवाई के दौरान अदालत ने असदुद्दीन ओवैसी समेत नेताओं की ओर से निर्वाचन आयोग से संबंधित दायर याचिकाओं पर केंद्र सरकार और अन्य पक्षों को नोटिस जारी किए और समान राहत वाली याचिकाओं को एक साथ रखने का निर्देश दिया।

याचिकाकर्ताओं में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव, एनसीपी (एसपी) नेता सुप्रिया सुले और शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत सहित अन्य नेता शामिल हैं। यह याचिका 12 अक्तूबर को दायर की गई थी। शुरुआती प्रक्रियात्मक कमियों को दूर करने के बाद, 13 अक्तूबर को सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री ने इसे पंजीकृत कर लिया।

याचिका में इस बात की न्यायिक जांच की मांग की गई है कि क्या ये फैसले संविधान के अनुच्छेद 324, चुनाव आयोग को नियंत्रित करने वाले 2०23 के कानून, और टी.एन. शेषन बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुरूप लिए गए हैं या नहीं। याचिका में मांगी गई मुख्य राहतों में, अदालत से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया है कि किसी भी मतदाता का नाम बिना नोटिस दिए और सुनवाई का उचित अवसर प्रदान किए बिना न हटाया जाए। साथ ही, यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि हटाए गए मतदाताओं की सूची को बूथ-वार प्रकाशित किया जाए।

पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप और शिवेंद्र नाथ चौबे का सपा जिला कार्यालय पर हुआ स्वागत

अमर भास्कर, ब्यूरो

बरेली। समाजवादी पार्टी के बरेली जिला कार्यालय पर पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप एवं शिवेंद्र नाथ चौबे के पहली बार पहुंचने पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान दोनों नेताओं को फूल-मालाओं से लाद दिया गया और बुके भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। स्वागत कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह देखने को मिला। जिला एवं महानगर संगठन के पदाधिकारियों के साथ यूथ ब्रिगेड की टीम ने भी दोनों नेताओं का स्वागत किया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष शुभलेश यादव ने कहा कि संगठन की असली ताकत उसके कार्यकर्ता होते हैं। पार्टी का प्रत्येक

पदाधिकारी और कार्यकर्ता आपसी समन्वय, एकजुटता और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत बनाने में अपनी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का उद्देश्य सामाजिक न्याय, संविधान की रक्षा और समाज के सभी वर्गों को सम्मान एवं अधिकार दिलाने के लिए लगातार काम करना है। संगठन की मजबूती के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा।

महानगर अध्यक्ष शमीम खान सुल्तानी ने कहा कि समाजवादी पार्टी का जिला एवं महानगर संगठन आपसी तालमेल के साथ पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का सम्मान, संगठन का विस्तार और जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाना पार्टी की प्राथमिकता है। ऐसे कार्यक्रम आपसी संवाद और संगठनात्मक समन्वय को मजबूत करने का अवसर प्रदान करते हैं। स्वागत करने वालों में जिला उपाध्यक्ष रविन्द्र सिंह यादव,पीयूष वर्मा लोधी,मुस्ताक अहमद,जितेंद्र मुंडे,महानगर महासचिव दीपक शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव, सुरेंद्र सोनकर, जिला सचिव जमुना प्रसाद मौर्य, राम सेवक प्रजापति,कैंट विधानसभा अध्यक्ष हरिओम प्रजापति, भारती चौहान, गुड़िया गंगवार, मनीषा सक्सेना,जोगेंद्र पटेल, धर्मेंद्र यादव,पप्पू कश्यप योगेश पटेल तथा यूथ ब्रिगेड के जिला अध्यक्ष एजाज अहमद सहित यूथ ब्रिगेड की टीम ने स्वागत किया।

थाना ट्रांस यमुना में 12वीं की छात्रा बनी थानेदार

अमर भास्कर, ब्यूरो

आगरा। जहाँ एक तरफपुलिस को लेकर तमाम तरह की बातें होती हैं, वहीं दूसरी तरफआगरा पुलिस ने एक ऐसी मिसाल पेश की है जिसकी हर तरफतारीफहो रही है। हम बात कर रहे हैं मिशन शक्ति के छठवें चरण की। आगरा के थाना ट्रांस यमुना में आज पुलिस की कुर्सी पर एक खाकी वर्दी वाले अफसर नहीं, बल्कि स्कूल यूनिफॉर्म वाली एक 12वीं क्लास की छात्रा बैठी नजर आई।न्यू सेंट स्टीफंस स्कूल की कक्षा 12 की छात्रा कु. जाह्नवी कुशवाह, पुत्री श्री मुकेश कुमार कुशवाह, निवासी ग्राम सेमरा, थाना खंदौली को पूरे एक दिन के लिए थाना प्रभारी' की जिम्मेदारी सौंपी है। दरअसल, उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-6 के

तहत आगरा पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार के निर्देशन में पूरे जिले में छात्राओं को सशक्त बनाने का अभियान चल रहा है।इसी कड़ी में आज थाना ट्रांस यमुना में इस अनोखी पहल का आयोजन किया गया। सुबह करीब 10 बजे छात्रा जाह्नवी कुशवाह थाने पर पहुंचीं। थाना प्रभारी और पूरे स्टाफने फूल-माला पहनाकर और सैल्यूट कर उनका भव्य स्वागत किया। इसके बाद औपचारिक रूप से उन्हें थाना प्रभारी की कुर्सी पर बैठाया गया और पदभार ग्रहण कराया गया। एक दिन की थानेदार बनते ही जाह्नवी के चेहरे पर आत्मविश्वास और गर्व साफ झलक रहा था।पदभार ग्रहण करने के बाद एक दिन की थाना प्रभारी जाह्नवी ने सबसे पहले थाने के प्रशासनिक कामकाज को समझा। उन्होंने थाने के महत्वपूर्ण अभिलेखों का निरीक्षण किया। जिसमें- अपराध रजिस्टर महिला हेल्प डेस्क रजिस्टर आगंतुक रजिस्टर, समाधान दिवस रजिस्टर, और शस्त्र लाइसेंस रजिस्टर शामिल थे। जाह्नवी ने एक-एक रजिस्टर को ध्यान से देखा, उसमें दर्ज शिकायतों को पढ़ा और पुलिसकर्मियों से उसके निस्तारण की स्थिति के बारे में सवाल-जवाब भी किए। एक दिन की थानेदार जाह्नवी ने बिल्कुल एक अनुभवी अफ्सर की तरह फरियादियों की समस्याएं सुनीं। आज मुझे ट्रांस यमुना का थाना प्रभारी बनाया गया, इसके लिए मैं आगरा पुलिस और मिशन शक्ति का दिल से धन्यवाद करती हूँ। आज मैंने सीखा कि पुलिस कितनी मेहनत करती है। मेरा सपना है कि मैं पढ़-लिखकर आई पीएस अधिकारी बनूं और अपने देश और अपने आगरा का नाम रोशन करूं।

सार-संक्षेप

किसानों की समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमर भास्कर, ब्यूरो

बरेली। भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) के पदाधिकारियों ने किसानों को बीज वितरण में आ रही समस्याओं के समाधान, पात्र किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा कृषि विभाग में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग को लेकर जिलाधिकारी महोदय को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष रणवीर सिंह फौजी, जिला अध्यक्ष नंदकिशोर जी, जिला उपाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद, जिला उपाध्यक्ष हरिशंकर, महिला जिला अध्यक्ष ममता देवी, महिला जिला उपाध्यक्ष सरस्वती देवी, तहसील अध्यक्ष नेमबाती, महिला जिला उपाध्यक्ष नवरावती सहित अन्य किसान भाई एवं महिलाएं मौजूद रहे।

जय जवान, जय किसान! किसान एकता जिंदाबाद!

मिशन शक्ति का महा- अभियान जारी

अमर भास्कर, ब्यूरो

आगरा। उत्तर प्रदेश सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति। और आगरा में इस मिशन का लगातार छठवां चरण पूरे जोर-शोर से चल रहा है।आगरा पुलिस कमिश्नरेट की एंटी रोमियो टीम और मिशन शक्ति की टीमें अब सड़कों पर हैं। मकसद सिर्फएक - नारी सुरक्षा, नारी सम्मान और नारी स्वावलंबन।आगरा के कोने-कोने में, स्कूल से लेकर कॉलेज तक, बाजार से लेकर गांव तक, महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। दरअसल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पूरे उत्तर प्रदेश में मिशन शक्ति का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत आगरा पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार के नेतृत्व में महिला बीट अधिकारियों को विशेष टास्क दिया गया है। आगरा के सभी थानों में महिला हेल्प डेस्क को और ज्यादा सक्रिय कर दिया गया है। हर थाने पर तैनात महिला पुलिसकर्मी अब सिर्फ शिकायत नहीं सुन रही, बल्कि महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के बारे में भी बता रही हैं।पुलिस की टीमें सुबह से ही स्कूल, कॉलेज, कोचिंग सेंटर, ब्यूटी पार्लर और भीड़-भाड़ वाले बाजारों में जाकर चौपाल लगा रही हैं। मिशन शक्ति की दीदियां,महिला कांस्टेबल्स ने छात्राओं को 1090 वुमेन पावर लाइन, 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 181 महिला हेल्पलाइन और 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के बारे में विस्तार से बता रही है। साथ ही उन्हें गुड टच - बैड टच, साइबर क्राइम से कैसे बचें, छेड़छाड़ होने पर तुरंत कहां शिकायत करें - इसकी पूरी जानकारी दी जा रही है। कई जगहों पर छात्राओं को आत्मरक्षा के गुर भी सिखाए गए। एक छात्रा ने बताया पहले हमें डर लगता था, लेकिन अब दीदियों ने हमें बताया कि हमें चुप नहीं रहना है। हमें अपनी आवाज उठानी है। तो वहीं दूसरी तरफ मिशन शक्ति के साथ-साथ एंटी रोमियो स्क्वॉड भी एक्टिव है। स्कूल-कॉलेजों के बाहर खड़े होकर फब्तियां कसने वाले मनचलों पर अब पुलिस की पैनी नजर है। पुलिस सादे कपड़ों में भी ऐसे इलाकों में तैनात है। कई शोहदों को पकड़कर हिदायत दी गई है और उनके परिजनों को भी थाने बुलाकर चेतावनी दी जा रही है। आगरा पुलिस का साफसंदेश है - आगरा में बेटियों की तरफआंख उठाकर देखने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

ट्रेन में महिलाओं की हमसफर बनी आरपीएफ

अमर भास्कर, ब्यूरो

आगरा। महिला हैं और ट्रेन में अकेले सफर कर रही हैं,तो अब आपको डरने की कोई जरूरत नहीं है। क्योंकि अब आपके सफर की हमसफर बन गई है मेरी सहेली जी हाँ, भारतीय रेलवे और आरपीएफ ने मिलकर एक ऐसा अभियान शुरू किया है,जो आगरा समेत पूरे देश में महिलाओं के लिए मेरी सहेली सुरक्षा की नई मिसाल बन रहा है। दरअसल, रेलवे में अक्सर देखा जाता है कि महिलाएं अकेले लंबा सफर करती हैं और कई बार उन्हें असहजता या सुरक्षा को लेकर डर महसूस होता है। इसी डर को खत्म करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल

यानी आरपीएफ ने मेरी सहेली टीम का गठन किया है। इस टीम में महिला आरपीएफ कांस्टेबल और अधिकारी शामिल हैं। इनका काम है - ट्रेन में अकेले सफ़र कर रही महिलाओं से मिलना, उनसे बात करना और पूरे सफ़र तक उनसे जुड़े रहना। आगरा कैंट, आगरा फोर्ट और ईदगाह रेलवे स्टेशन पर भी ये टीम लगातार एक्टिव है। जैसे ही कोई महिला अकेले रिजर्वेशन कराती है, उसका डेटा आरपीएफ की मेरी सहेली टीम के पास पहुंच जाता है। ट्रेन के प्लेटफार्म पर आने से पहले ही महिला आरपीएफ जवान उस महिला यात्री से मिलती है। उसे अपना नाम,अपना मोबाइल नंबर देती है और बताती है - दीदी, आप अकेली नहीं हैं। आगरा से लेकर आपके स्टेशन तक मैं आपकी सहेली हूँ। कोई भी परेशानी हो तो तुरंत कॉल करना। इतना ही नहीं, कोच में बैठाने के बाद टीटीई और कोच अटेंडेंट को भी उस महिला यात्री की सुरक्षा के लिए विशेष रूप से बताया जाता है। सफर के दौरान बीच के बड़े स्टेशनों पर भी दूसरी मेरी सहेली टीम उस महिला से संपर्क करती है और कुशलक्षेम पूछती है। इस पहल से महिला यात्रियों में जबरदस्त खुशी है।

नोएडा रामलीला में छा रहा है बरेली की आवाज का जादू

अमर भास्कर, ब्यूरो

बरेली। बरेली, अपने शहर में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। अपने देश की प्रसिद्ध रामलीला में से एक नोएडा सेक्टर 62 डी पार्क में श्री राम मित्र मंडल नोएडा के द्वारा आयोजित श्री रामलीला महोत्सव-2026 में मुरादाबाद की संस्था श्री जानकी कला मंच के कलाकार संजीव कुमार के दिशा निर्देशन में रामलीला के विभिन्न प्रसंगों का मंचन कर रहे हैं। जिसमें बरेली आकाशवाणी के उद्घोषक, रंगकर्मी, निर्देशक देवेन्द्र रावत और वरिष्ठ संगीतकार अजय विक्टर अपनी आवाज के माध्यम से रामभक्तों को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। देवेन्द्र रावत ने बताया कि गढ़वाल सभा बरेली की रामलीला में पांच वर्ष की उम्र में जुड़ा उसके बाद दिल्ली, मुम्बई और ऋषिकेश की रामलीला में भाग लिया और नए अध्याय लिखे। आज आकाशवाणी बरेली और रामपुर, फीचर फिल्में, सीरियल और रंगमंच में प्रभु श्री राम जी के आशीर्वाद से कार्य कर पाना संभव हुआ। कितना भी आवश्यक कार्य हो लेकिन शारदीय नवरात्र पर आयोजित रामलीला का मोह बरबस ही अपनी ओर खींच लाता है। इसी प्रकार अजय विक्टर ईसाई धर्म के होने के बाद भी प्रभु श्री राम की मन से सेवा करते हैं। वह कहते हैं कि कलाकार का सबसे बड़ा धर्म मानवता और इंसानियत है जो प्रभु श्री राम के प्रसंगों में सीख मिलती है।

टेढ़ी बगिया पुलिस चौकी पर किन्नरों का हंगामा

अमर भास्कर, ब्यूरो

आगरा। आगरा में गुरुवार की दोपहर एक बड़ी खबर सामने आई जहाँ पुलिस की कार्यशैली पर एक बार फिर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। टेढ़ी बगिया पुलिस चौकी पर उस वक्त हड़कंप मच गया जब बड़ी संख्या में किन्नर समाज के लोगों ने चौकी का घेराव कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। मामला थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र के टेढ़ी बगिया चौकी क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि किन्नर समाज के लोगों ने कुछ दिन पहले एक मामले को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पीड़ितों का आरोप है कि उन्होंने नामजद शिकायत दी,लेकिन पुलिस ने उस पर कोई

ठोस कार्रवाई नहीं की।लगातार थाने के चक्कर काटने के बाद भी जब उन्हें न्याय नहीं मिला, तो आज उनका गुस्सा फूट पड़ा। दोपहर करीब दर्जनों की संख्या में किन्नर एकजुट होकर टेढ़ी बगिया चौकी पहुंच गए और वहां जमकर हंगामा किया। चौकी के आसपास मौजूद लोगों के मुताबिक, प्रदर्शन के दौरान किन्नरों में भारी आक्रोश देखने को मिला। उन्होंने पुलिस पर लापरवाही और अनदेखी का आरोप लगाया। इस दौरान कुछ देर के लिए चौकी पर अफरा- तफरी का माहौल बन गया। आने-जाने वाले लोग भी रुक कर इस पूरे हंगामे को देखने लगे। इसका किसी राहगीर ने वीडियो बना लिया और उसे सोशल मीडिया पर डाल दिया। देखते ही देखते ये वीडियो आगरा में वायरल हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठना लगे। और लोग पूछ रहे हैं कि आखिर जब पीड़ित खुद थाने पहुंचकर न्याय की गुहार लगा रहे हैं, तो पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं कर रही?इस पूरे मामले ने एक बार फिर ये साबित कर दिया है कि आम जनता हो या किन्नर समाज, न्याय के लिए अभी भी लोगों को सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। अब देखना होगा कि इस वायरल वीडियो के बाद आगरा पुलिस नींद से जागती है और पीड़ितों को न्याय दिलाती है या फिर ये मामला दब कर रह जाएगा।

मौसम ने ली करवट! किसानों पर आफत के बादल

अमर भास्कर, ब्यूरो

आगरा। पिछले 24 घंटों में आगरा के मौसम ने अचानक ऐसी करवट ली है जिससे किसान की आँखों में आंसू हैं, माथे पर चिंता है और दिल में एक ही सवाल है अब क्या होगा? आसमान में छाए घने काले बादल और रुक-रुक कर हो रही बारिश ने आगरा के हजारों किसानों की मेहनत पर पानी फेरने का खतरा पैदा कर दिया है। बाजरा, धान की पकी फसल खेत में पड़ी है,सरसों बोई जा चुकी है और आलू की बुवाई... आलू की बुवाई तो अब लेट होती दिख रही है। आगरा जिले के खासकर खंदौली, एत्मादपुर,बरौली अहीर, फतेहाबाद और बाह क्षेत्र में इस समय बाजरे की फसल 100: पक चुकी है।

कई किसानों ने तो कटाई करके फसल को खेत में ही सुखाने के लिए छोड़ रखा है। लेकिन बारिश सूखी फसल को फिर से गीला कर देगी। जिससे पूरी फसल बर्बाद होने का खतरा मंडरा रहा है। वहीं धान की स्थिति भी यही है। आगरा में धान की अगेती किस्म पक चुकी है। धान की बाली में अगर नमी आने से नुकसान होगा। वही दूसरी ओर सबसे बड़ी चिंता पर सरसों की बताई जा रही है। जिन किसानों ने सितंबर के आखिरी हफ्ते में सरसों की अगेती बुवाई कर दी थी, अब उनकी फसल 15-20 दिन की हो चुकी है। अगर तेज हुई तो काफी नुकसान होगा। अगर खेतों में ज्यादा पानी भर गया तो सरसों की जड़ सड़ जाएगी। पौधा पीला पड़कर मर जाएगा।

मानवता की सेवा में आगे आया एक गूंज सेवा समिति का युवा संगठन

अमर भास्कर, ब्यूरो

बरेली। एक गूंज सेवा समिति के युवा संगठन द्वारा बरेली की झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों के लिए सराहनीय पहल की गई। इस दौरान लगभग 45 परिवारों को कपड़े वितरित किए गए और सर्दी से बचाव के लिए गर्म वस्त्र उपलब्ध कराए संस्था के संस्थापक अध्यक्ष प्रतिपाल सिंह (बंटी ठाकुर) ने कहा एक गूंज सेवा समिति की

युवा इकाई द्वारा समाज सेवा के जो कार्य किया जा रहे हैं वह सराहनीय है युवा इकाई निरंतर समाज सेवा का कार्य कर रही है और आगे भी करती रहेगी संस्था द्वारा केंद्र सरकार और राज्य सरकार की योजनाओं को भी जैन जनता पहुंचने का कार्य किया जा रहा है इसी क्रम में युवा इकाई द्वारा नैनीताल रोड किनारे झुग्गी झोपड़ी में पहुंचकर कपड़े का वितरण किया गया है इस सेवा अभियान में युवा वर्ग के अध्यक्ष पारस सिंह, जिला अध्यक्ष पियूष प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष योगेश मौर्य, जिला सचिव तुषार शर्मा एवं जिला महामंत्री यश कुमार गौतम उपस्थित रहे।

आगरा में आज आएंगे सीएम योगी आदित्यनाथ

अमर भास्कर, ब्यूरो

आगरा। में शुक्रवार को प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगरा के तूफानी दौरे पर आ रहे हैं। और उनका ये दौरा सिर्फ दौरा नहीं, बल्कि कई बड़े सियासी और विकास के संदेश लेकर आ रहा है। सीएम योगी का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम लगभग तय हो चुका है। सुरक्षा एजेंसियों से लेकर प्रशासन तक, पूरा अमला अलर्ट मोड पर है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे की शुरुआत आगरा के बहुचर्चित शिवाजी म्यूजियम से होगी। आपको बता दें, ये वही

म्यूजियम है जो पहले मुगल म्यूजियम के नाम से जाना जाता था, जिसे योगी सरकार ने छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर समर्पित किया है। सूत्रों के मुताबिक, सीएम योगी सीधे म्यूजियम पहुंचकर निर्माण कार्यों की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। वो जानना चाहते हैं कि मराठा गौरव और ब्रज की संस्कृति को समर्पित इस म्यूजियम का काम कहां तक पहुंचा है। अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि काम में गुणवत्ता और तेजी दोनों बनी रहनी चाहिए। माना जा रहा है कि निरीक्षण के दौरान सीएम अधिकारियों को जल्द से जल्द इसे जनता को समर्पित करने का अल्टीमेटम भी दे सकते हैं।

म्यूजियम के बाद मुख्यमंत्री का काफिला सीधे आगरा के ऐतिहासिक टाटा ग्राउंड पहुंचेगा, जहाँ वो एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। ये जनसभा सिर्फ एक सभा नहीं है, बल्कि 2027 से पहले सियासी शंखनाद माना जा रहा है। बीजेपी संगठन ने इस जनसभा को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। हजारों की संख्या में कार्यकर्ता और आम जनता के जुटने की उम्मीद है।मंच से मुख्यमंत्री योगी आगरा को विकास की कई नई सौगातें दे सकते हैं। साथ ही कानून व्यवस्था और सनातन संस्कृति के मुद्दे पर उनका गरजना तय है।

इस दौरे में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फतेहाबाद के पूर्व विधायक, दिवंगत छोटेलाल वर्मा के आवास पर जाएंगे। बता दें, छोटेलाल वर्मा आगरा की राजनीति का एक बड़ा नाम थे, जिन्होंने लंबे समय तक क्षेत्र की सेवा की। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। ब्ड योगी स्वयं उनके आवास पर पहुंचकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और शोकाकुल परिवार से मिलकर ढांढस बंधाएंगे। उनका ये कदम ये दिखाता है कि बीजेपी अपने पुराने और समर्पित कार्यकर्ताओं को कभी नहीं भूलती। इस दौरान फतेहाबाद का पूरा सियासी परिवार मौजूद रहने वाला है। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर प्रशासन ने कमर कस ली है। आगरा पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार और जिलाधिकारी मनीष बंसल खुद व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। एसपीजी और खुफिया विभाग ने टाटा ग्राउंड और म्यूजियम के आसपास डेरा डाल दिया है। जगह-जगह बैरिकेडिंग और रूट डायवर्जन किया गया है।

आबिद रजा ने पुष्प वर्षा कर किया श्रीराम बारात का भव्य स्वागत

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। श्रीराम बारात के अवसर पर पूर्व मंत्री आबिद रजा ने मढ़ई चौक पर पुष्प वर्षा कर बारात का भव्य स्वागत किया। नगर पालिका परिषद की ओर से लगाए गए स्वागत शिविर में पहुंचकर उन्होंने बारात में शामिल झांकियों पर भी फूल बरसाए। इस दौरान श्रीराम बारात के स्वागत और नगर पालिका की ओर से की गई व्यवस्थाओं की चर्चा रही। बारात मार्ग पर बिछाई गई रेड कारपेट मैटिंग आकर्षण का केंद्र बनी रही।

नगर पालिका परिषद की ओर से श्रीराम बारात के स्वागत और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक तैयारियां की गई थीं। बारात जिन मार्गों से होकर गुजरी, वहां रेड कारपेट मैटिंग बिछवाई गई। पालिकाध्यक्ष फात्मा रजा की ओर से साफ-सफाई सहित अन्य व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। बारात मार्ग की सजावट और स्वच्छता को लेकर लोगों ने सराहना की।

पूर्व मंत्री आबिद रजा ने अपने कार्यकाल में श्रीराम बारात के मार्ग पर मैटिंग बिछवाने की परंपरा शुरू कराई थी। यह परंपरा आज भी जारी है। इस बार भी बारात मार्ग पर रेड कारपेट मैटिंग बिछाए जाने से आयोजन की भव्यता बढ़ी। मढ़ई चौक पर आबिद रजा द्वारा पुष्प वर्षा कर बारात और झांकियों का स्वागत किए जाने से माहौल उत्साहपूर्ण रहा।

श्रीराम बारात की तैयारियों को लेकर नगर पालिका कई दिनों से जुटी हुई थी। मैटिंग बिछवाने, सफाई, स्ट्रीट लाइट, पेयजल और स्वागत व्यवस्था के लिए अलग-अलग कमेटियां गठित की गई थीं। बुधवार सुबह तड़के ही नगर पालिका के कर्मचारी बारात मार्ग पर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने में लग गए। पूरे मार्ग पर पानी का छिड़काव कराया गया और विशेष सफाई अभियान चलाया गया। बारात मार्ग की सड़कों पर बने गड्ढों को पहले ही भरवाया गया था, ताकि बारात के आवागमन में किसी तरह की परेशानी न हो। सड़क के दोनों किनारों, प्रमुख चौराहों और मंदिरों के आसपास चूने का छिड़काव कराया गया। साथ ही प्रकाश और पेयजल की व्यवस्था पर भी ध्यान दिया गया। नगर पालिका की ओर से की गई व्यवस्थाओं का उद्देश्य श्रीराम बारात को स्वच्छ, व्यवस्थित और आकर्षक वातावरण में संपन्न कराना रहा। इस मौके पर सभासद ग्रीश शुक्ला, अनवर खां, ओमवीर सिंह यादव, हार्षित यादव, बब्लू, प्रिंस मेहंदीरत्ता आदि मौजूद रहे।

धान खरीद की तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश

बदायूं। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में धान खरीद की तैयारियों के संबंध में शासन द्वारा निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में अपर जिलाधिकारी, जिला खरीद अधिकारी महेन्द्र श्रीवास्तव की अध्यक्षता में प्रशिक्षण एवं कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में धान खरीद के लिए किसानों का पंजीकरण एवं उसका प्रचार-प्रसार, क्रय केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं, धान से निर्मित चावल के भंडारण तथा ई-उपार्जन पोर्टल से संबंधित प्रक्रियाओं के बारे में केंद्र प्रभारियों को प्रशिक्षण दिया गया।

लक्ष्य डिजिटल लाइब्रेरी के दो छात्रों का यूपी

अमर भास्कर, संवाददाता

सहसवान। मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास से सफलता हासिल करने वाले दो युवाओं ने लक्ष्य डिजिटल लाइब्रेरी राय साहब की कोठी बजाज विल्सन गंज सहसवान से जुड़कर उत्तर प्रदेश पुलिस कांस्टेबल भर्ती में चयन प्राप्त किया है। 14 अक्टूबर को जारी अंतिम परिणाम में लक्ष्या डिजिटल लाइब्रेरी में पढ़ाई करने वाले अजमेंद्र यादव और चमन अत्री का चयन कांस्टेबल पीएसीध्सशस्त्र पुलिस (पुरुष) पद के लिए हुआ है। दोनों युवाओं की सफलता से उनके परिवारों और परिचितों में खुशी का माहौल है।

चयनित अभ्यर्थी अजमेंद्र यादव बदायूं जिले के सहसवान क्षेत्र के ग्राम हंसुआ नगला निवासी राम भरोसे के पुत्र हैं। उन्होंने लक्ष्य डिजिटल लाइब्रेरी, सहसवान में रहकर अपनी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी की। यूपी पुलिस भर्ती के अंतिम परिणाम में चयनित होने के बाद उनकी मेहनत सफल हुई है।

दूसरे चयनित अभ्यर्थी चमन अत्री अलीगढ़ जिले के टप्पल क्षेत्र के गांव गढ़ी सूरजमल निवासी मुकेश अत्री के पुत्र हैं। उनके बड़े भाई रमन अत्री जो पूर्व में सहसवान कोतवाली में आरक्षी रहे चमन अत्री ने अपने भाई के पास रहकर लक्ष्य डिजिटल लाइब्रेरी सहसवान में पढ़ाई करते हुए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी की और यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती में सफलता हासिल की। एक ही लाइब्रेरी से जुड़े दो विद्यार्थियों का पुलिस भर्ती में चयन होना अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। दोनों अभ्यर्थियों की सफलता उनकी मेहनत और लक्ष्य के प्रति समर्पण को दर्शाती है। इस उपलब्धि से उनके परिवारों में उत्साह है लक्ष्या डिजिटल लाइब्रेरी स्टाफने उज्जवल भविष्य की कामना की।

सार-संक्षेप

द्वितीय चरण में नामित गांवों में जैविक खेती को मिलेगा बढ़ावा, किसानों को किया जाएगा जागरूक

बदायूं। जनपद में द्वितीय चरण के अंतर्गत नमामि गंगे जैविक खेती योजनान्तर्गत जैविक किसान मेलों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जारी कार्यक्रम के अनुसार इस माह में निर्धारित तिथियों पर विकास खंड परिसर में मेलों का आयोजन कर किसानों को जैविक खेती के प्रति जागरूक किया जाएगा।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 17 अक्टूबर 2026 को विकास खंड परिसर दहगवां, 21 अक्टूबर को विकास खंड परिसर सहसवान, 24 अक्टूबर को कृषि विज्ञान केंद्र उझानी, 28 अक्टूबर को विकास खंड परिसर कादरचौक तथा 31 अक्टूबर 2026 को विकास खंड परिसर परिरसर उझानी में जैविक किसान मेला आयोजित किया जाएगा। इन मेलों के माध्यम से किसानों को जैविक खेती की तकनीकों, उसके लाभों तथा जैविक कृषि को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। यूपी डास्प के जिला परियोजना समन्वयक डॉ० विवेक कुमार गौरव ने किसानों से अपील की है कि कृषक निर्धारित तिथियों पर संबंधित स्थलों पर पहुंचकर जैविक खेती संबंधी जानकारी प्राप्त करें और योजनाओं का लाभ उठाएं।

शिकायत के दो दिन बाद भी कार्रवाई नहीं होने का आरोप, पीड़िता ने लगाई न्याय की गुहार

उसहैत। थाना उसहैत क्षेत्र के गांव नौली फत्तवा बाद निवासी अनीता गुप्ता ने मारपीट और अभद्रता किए जाने का आरोप लगाते हुए थाना पुलिस को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता का आरोप है कि शिकायत दर्ज कराए दो दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

अनीता गुप्ता के अनुसार, उनके साथ मारपीट और अभद्रता की गई। घटना के संबंध में उन्होंने थाना उसहैत में लिखित शिकायत देकर पुलिस से कार्रवाई की मांग की। पीड़िता का कहना है कि तहरीर दिए दो दिन गुजरने के बावजूद कार्रवाई न होने से उन्हें न्याय मिलने की चिंता सता रही है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

वहीं, इस संबंध में थाना अध्यक्ष देवेंद्र सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामले में दोनों पक्षों की ओर से लिखित तहरीर प्राप्त हुई है। पुलिस मामले की जानकारी कर रही है। जांच के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। अब देखना होगा कि पुलिस जांच के बाद मामले में क्या कदम उठाती है और पीड़िता को कब तक न्याय मिल पाता है।

मिशन शक्ति के तहत सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया

उधैती। मिशन शक्ति अभियान फेज-6 के अंतर्गत नवरात्रि के पांचवे दिन के कार्यक्रम में करियर गाइडेंस प्रोगाम मिशन शक्ति टीम द्वारा एस एस इण्टर कॉलेज ग्राम रियोनाई थाना उधैती जनपद बदायूं में बालिकाओ कॉलेज के विद्यार्थियों छात्र-छात्राओं को एकत्रित कर मिशन शक्ति टीम द्वारा मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना सरकार द्वारा चलाई गयी सभी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया जिसमें ऑपरेशन गरुड़, ऑपरेशन शील्ड, ऑपरेशन डेस्ट्राय, ऑपरेशन खोज, ऑपरेशन बचपन, ऑपरेशन मजनू, ऑपरेशन नशामुक्ति, ऑपरेशन रक्षा, ऑपरेशन ईगल महिलाओं एवं बालिकाओंसे सम्बन्धित अपराधों पर रोकथाम हेतु, शक्ति मोबाइल, महिला हेल्प डेस्क, महिला पुलिस बीट अधिकारी, महिला साइबर सेल, महिला रिपोर्टिंग पुलिस चौकी परामर्श केंद्र, पिंक बूथ व महिलाओं एवं बालिकाओं के सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेन्शन योजना, राष्ट्रीय पोषण मिशन, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बैंकिंग कॉरेस्पॉन्डेट सखी, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष आदि।

जिला खेल कार्यालय, बदायूं

पत्रांक 301/2026-27 दिनांक 15 अक्टूबर 2026

कस्टम/BOQ/बिड सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला खेल कार्याक्रम, बदायूं में खिलाड़ियों के उपयोगार्थ आधुनिक जिम उपकरणों की स्थापना हेतु जेम पोर्टल पर कस्टम/BOQ बिड प्रकाशित की गई है, जिसका विवरण निम्नवत है-

सामग्री का नाम	बिड संख्या	प्रकाशित होने की तिथि	निविदा बंद होने की तिथि/समय	निविदा खुलने की तिथि/समय
अत्याधुनिक इण्डोर जिम उपकरणों की स्थापना	GEM/2026/B/8132639	14.10.2026	26.10.2026 09:00	27.10.2026 09:00

उक्त अत्याधुनिक जिम उपकरणों के क्रय हेतु जेम की नियम व शर्ते एवं विभाग द्वारा निर्धारित नियम व शर्तों के अनुसार जेम पोर्टल पर बिड आमंत्रण की गई है। नियम व शर्तें जेम बिड में देखी जा सकती है। क्रीड़ाधिकारी, बदायूं बिना कोई कारण बताये किसी भी या सभी बिडों को किसी भी स्तर पर स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखते है। अवकाश की स्थति में निविदा कार्यालय दिवस में खोली जायेगी।

क्रीड़ाधिकारी
जिला खेल कार्यालय बदायूं।

आक्रोशित क्षत्रिय महासभा ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। क्षत्रिय महासभा (उ.प्र.) ने संगठन के जिलाध्यक्ष राकेश सिंह के नेतृत्व में जिला अध्यक्ष के माध्यम से जिलाधिकारी बदायूं को लिखित ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि महाराणा प्रताप चौक, बदायूं स्थित महाराणा प्रताप की प्रतिमा को असामाजिक तत्वों द्वारा दो-तीन दिन पहले क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। संगठन ने कहा है कि इससे पहले भी इस प्रतिमा को क्षति पूहुंचाने की घटनाएं हो चुकी हैं, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय हैं।

क्षत्रिय महासभा का कहना है कि महाराणा प्रताप देश के गौरव, स्वाभिमान और शौर्य के प्रतीक हैं। उनकी प्रतिमा का इस प्रकार क्षतिग्रस्त किया जाना न केवल समाज की भावनाओं को आहत करता है, बल्कि इतिहास और राष्ट्रगौरव का अपमान भी है।

संगठन ने जिलाधिकारी से मांग की है कि प्रतिमा क्षतिग्रस्त करने के दोषियों के खिलाफतत्काल मुकदमा दर्ज किया जाए, महाराणा प्रताप चौक का सौंदर्याकरण कराया जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए चौक पर स्थायी सुरक्षा व्युवस्था की जाए। यह मांग क्षत्रिय महासभा की ओर से जिलाध्यक्ष राकेश सिंह द्वारा उठाई गई है।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिगत परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। शासन के अनुपालन एवं जिलाधिकारी महोदय बदायूं के निर्देशानुसार स्कूली बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा विद्यालयों में बच्चों को लाने-ले जाने में अवैध रूप से संचालित ई-रिक्शा वाहनों के विरुद्ध विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन कर स्कूली बच्चों का परिवहन करने वाले 05 ई-रिक्शा वाहनों को सीज किया गया। ई-रिक्शा में बैठे बच्चों को सुरक्षित निजी वाहन में बैठाकर स्कूलों में पहुंचाया गया।

परिवहन विभाग की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों के आवागमन को सुरक्षित बनाना तथा अनधिकृत रूप से संचालित वाहनों पर प्रभावी अंकुश लगाना है। बच्चों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता न हो, इसके दृष्टिगत विभाग द्वारा विद्यालयों के आसपास संचालित वाहनों की जांच की जा रही है।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी बदायूं द्वारा विद्यालय प्रबंधन एवं अभिभावकों से अपील की गई है कि वे बच्चों को विद्यालय लाने-ले जाने के लिए स्कूली वाहन नियमावली-2019 के अनुरूप सुरक्षित एवं नियमानुसार संचालित वाहनों का ही प्रयोग करें। साथ ही, विद्यालय प्रबंधक यह सुनिश्चित करें कि बच्चों के परिवहन में लगाए गए वाहनों के आवश्यक प्रपत्र पूर्ण हों तथा निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा हो।

एआरटीओ ने जिले में अवैध रूप से संचालित पांच ई-रिक्शा किए गए सीज

विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया कि स्कूली बच्चों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा नियमों का उल्लंघन कर बच्चों का परिवहन करने वाले वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार प्रवर्तन कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। परिवहन विभाग ने अपील करते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा, हम सबकी जिम्मेदारी। सुरक्षित वाहन चुनें, बच्चों का भविष्य सुरक्षित करें।

शफी डिग्री कॉलेज में मनाया गया विश्व विद्यार्थी दिवस, दिखाई सफलता की राह

विद्यार्थी समाज और देश की प्रगति के वास्तविक कर्णधार

अमर भास्कर, संवाददाता

बीसलपुर। शफी डिग्री कॉलेज, बीसलपुर में विश्व विद्यार्थी दिवस के अवसर पर प्रेरणादायक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। संगोष्ठी का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा, नवाचार, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के माध्यम से जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम का संचालन बीएड प्रशिक्षु अना फातिमा और अर्शी शम्सी ने किया। संगोष्ठी के दौरान विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए पूर्व राष्ट्रपति एवं महान वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन, विचारों और प्रेरणादायक संदेशों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने उनके प्रसिद्ध कथन, सपने वो नहीं जो हम सोते हुए देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते का उल्लेख करते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों से घबराने के बजाय नवाचार, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की ओर निरंतर आगे बढ़ना चाहिए।

महाविद्यालय के प्रवक्ता प्रदीप कुमार ने विद्यार्थियों के जीवन में अनुशासन, समर्पण और निरंतर सीखने के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए नियमित अध्ययन, सकारात्मक सोच और कठिन परिश्रम आवश्यक हैं।

महाविद्यालय के समन्वयक अनीस बेग ने कहा कि विद्यार्थी समाज और देश की प्रगति के वास्तविक कर्णधार हैं। विद्यार्थियों में निहित प्रतिभा, ऊर्जा और रचनात्मकता का सही दिशा में उपयोग देश के उज्ज्वल भविष्य का आधार बन सकता है। कार्यक्रम के समापन पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेन्द्र कुमार ने उत्कृष्ट वक्तव्य प्रस्तुत करने वाले छात्र-छात्राओं की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों से डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के आदर्शों को अपनाने, बड़े सपने देखने और कड़ी मेहनत के बल पर अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों को देश के विकास में सक्रिय योगदान देने तथा एक सशक्त और विकसित भारत के निर्माण में सहभागी बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टाफतथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

जमीन पर कब्जे की शिकायत पर आरोप सही पाए जाने का दावा

अमर भास्कर, संवाददाता

बदायूं। तहसील सदर क्षेत्र के ग्राम बारीखेड़ा उर्फ सितावनगर निवासी रामबेटी पत्नी सियाराम ने अपनी जमीन पर कथित रूप से जबरन कब्जा किए जाने की शिकायत उपजिलाधिकारी से की है। मामले में नायब तहसीलदार बदायूं श्रीजन यादव ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। उनके अनुसार, निरीक्षण के दौरान संजीव यादव और वीरेंद्र यादव द्वारा रामबेटी के पति सियाराम की जमीन पर कब्जा किए जाने की बात सामने आई।

रामबेटी ने एसडीएम को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उनके पति सियाराम महात्मा बन चुके हैं और ज्यादातर समय घर से बाहर रहते हैं। पीड़िता के अनुसार, गाटा संख्या 55 की जमीन उनके पति के नाम दर्ज है। आरोप है कि गांव के ही वीरेंद्र यादव पुत्र मुंशी सिंह यादव और संजीव यादव पुत्र राजवीर यादव ने उनकी जमीन पर जबरन बुनियाद भरकर कब्जा कर लिया है।

पीड़िता का आरोप है कि जब उन्होंने और उनके बेटों ने जमीन पर निर्माण का विरोध किया तो आरोपियों ने उनसे जमीन बेचने के लिए कहा। आरोप है कि जमीन नहीं बेचने पर धीरे-धीरे पूरी जमीन पर कब्जा करके मकान बनाने की बात कही गई। पीड़िता ने इसे लेकर प्रशासन से शिकायत करते हुए अपनी जमीन को कब्जामुक्त कराने और आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है। नायब तहसीलदार ने किया मौके का निरीक्षण

मामले में नायब तहसीलदार बदायूं श्रीजन यादव ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान संजीव यादव और वीरेंद्र यादव द्वारा रामबेटी पत्नी सियाराम की जमीन पर कब्जा किए जाने की बात सामने आई। इस मामले में प्रशासन की ओर से आगे क्या कार्रवाई की जाती है, इस पर ग्रामीणों की नजर बनी हुई है। रामबेटी ने अपनी शिकायत में खुद और अपने परिवार को जान-माल का खतरा होने की आशंका भी जताई है। उन्होंने प्रशासन से मामले में उचित कार्रवाई करने, जमीन को कब्जामुक्त कराने और परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

मिशन शक्ति के तहत छात्राओं ने किया बैठक का शैक्षिक भ्रमण

अमर भास्कर, संवाददाता

दातागंज। मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत यूपीएस कन्या दातागंज की छात्राओं ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), शाखा दातागंज का शैक्षिक भ्रमण किया। इस दौरान छात्राओं ने बैंकिंग व्यवस्था, विभिन्न बैंकिंग प्रक्रियाओं तथा आधुनिक डिजिटल बैंकिंग के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं।

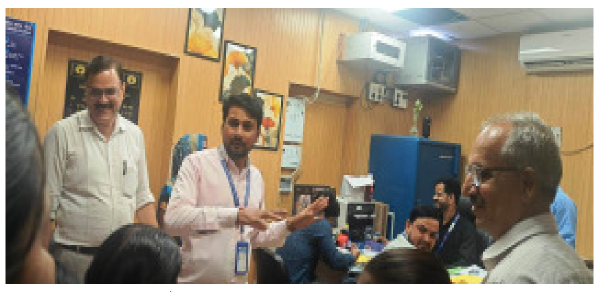

भ्रमण के दौरान बैंक के जनसंपर्क अधिकारी ने छात्राओं को बैंक के विभिन्न पटलों के कार्यों, खाता खोलने की प्रक्रिया, केवाईसी, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, डिजिटल बैंकिंग तथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी। छात्राओं ने उत्सुकतापूर्वक बैंकिंग प्रक्रिया को समझा और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।

इस अवसर पर बैंक प्रबंधक श्री मोहम्मद राशिद ने छात्राओं का स्वागत किया। सहायक प्रबंधक श्री शुभंकर एवं यतेंद्र ने भी छात्राओं को बैंकिंग से संबंधित विभिन्न जानकारियाँ प्रदान कीं। उन्होंने बैंकिंग सेवाओं के महत्व तथा उनके सुरक्षित और प्रभावी उपयोग के बारे में बताया। विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण से छात्राओं को किताबी ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक जानकारी भी प्राप्त होती है। इससे उनमें वित्तीय साक्षरता, आत्मनिर्भरता तथा डिजिटल बैंकिंग के प्रति जागरूकता बढ़ती है। शैक्षिक भ्रमण अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक रहा। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफसे फरहत हुसैन, जसवीर सिंह, अनीता देवी, नदीमा ताहिर एवं मुजम्मिल जहाँ उपस्थित रहे।

वहीं शासन के निर्देशो के क्रम में तथा सुप्रीम कोर्ट के आदेश अनुसार छात्र-छात्राओं एवं स्कूल स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद बदायूं में इस समय कंपोजिट विद्यालयों का ऑडिट कराया जा रहा है। तकनीकी विशेषज्ञों की टीम द्वारा विद्यालय भवन की मजबूती, अग्निशमन व्यवस्था, विद्युत वायरिंग, आपातकालीन निकास, और आपदा प्रबंधन की तैयारी का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इसी क्रम में आज आसफपुर विकास क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय खेड़ा दास, तथा दावरी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण टीम में आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ आकाश बाबू तथा नीलम सागर, फायर सेफ्टी विशेषज्ञ राजेश कुमार सक्सेना, एवं स्ट्रक्चरल इंजीनियर आयुष कुमार सिंह, एवं विवेक गुर्जर ने बहुत ही बारीकी से स्कूलों का निरीक्षण किया। टीम ने कक्षा कक्ष की भौतिक स्थिति, भवन की मजबूती, विद्युत व्यवस्था से संभावित जोखिम वाले स्थान, तथा आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी व्यवस्था को परखा। निरीक्षण के दौरान जिला एम आई एस/आईटी विशेषज्ञ ईसार अली, और डीपीएम अमर सिंह ने औचक निरीक्षण किया।

विकसित भारत सेवा संकल्प अभियान के तहत पोस्टर एवं दीवार पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

बदायूं। विकसित भारत सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आज राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महाविद्यालय में पोस्टर एवं दीवार पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डॉ. सपना भारती तथा राष्ट्रीय सेवा योजना छात्रा इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मंजुषा के निर्देशन में संपन्न हुई। प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने नशा उन्मूलन अभियान के अंतर्गत 'नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो' की भावना को दीवार पेंटिंग के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। वहीं, 'विकसित भारत 2047 मेरे सपनों का भारत' विषय पर विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाओं, रचनात्मकता और कलात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस अवसर पर एमए तृतीय सेमेस्टर की छात्राओं प्रिया और दीक्षा ने विकसित भारत की परिकल्पना को बेहद कलात्मक एवं आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया। वहीं, बीएससी तृतीय सेमेस्टर के छात्र कृष्णा वार्ष्णेय ने नशा मुक्ति के संदेश को अपनी दीवार पेंटिंग के माध्यम से प्रभावशाली तरीके से दर्शाया। विद्यार्थियों की कलाकृतियों ने सामाजिक जागरूकता, नशा उन्मूलन और राष्ट्र निर्माण के प्रति सकारात्मक संदेश दिया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डॉ. मदन मोहन वार्ष्णेय तथा अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. पारुल रस्तोगी ने निभाई। निर्णायकों ने विद्यार्थियों की कलात्मक अभिव्यक्ति, विषय की प्रस्तुति और सामाजिक संदेश के आधार पर उनकी प्रतिभा का मूल्यांकन किया।

संपादकीय

लोकतंत्र में विपक्ष और असहमत आवाजों की मौजूदगी!

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में मीडिया की भूमिका समाज को आईना दिखाने, सत्ता से तीखे सवाल करने और देशहित सर्वोपरि रखने की होती है। लेकिन वर्तमान समय में जनता के बीच यह गंभीर चिंता और विमर्श का विषय बन चुका है कि क्या आज का मीडिया अपनी इस मूल जिम्मेदारी को समझ पा रहा है। अक्सर यह देखा जाता है कि जिन नेताओं या शख्सियतों को जनता ने चुनावों में ठुकरा दिया है या जो जनभावनाओं पर खरे नहीं उतरे, उन्हें भी समाचार माध्यमों पर लगातार बड़ी सुर्खियां और विशेष कवरेज दी जाती है। इस विमर्श के केंद्र में यह सवाल खड़ा होता है कि क्या मीडिया जानबूझकर देशहित की अनदेखी कर किसी व्यक्ति विशेष को प्रमोट कर रहा है या फिर इसके पीछे कुछ गहरे व्यावसायिक और राजनीतिक समीकरण काम कर रहे हैं।इस पूरी स्थिति को समझने के लिए सबसे पहले हमें मीडिया के आधुनिक ढाँचे और उसके राजस्व मॉडल को देखना होगा। आज की पत्रकारिता केवल सूचना के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि वह एक बड़े उद्योग में तब्दील हो चुकी है। इस कॉर्पोरेट ढाँचे में टीआरपी (टेलीविजन रेटिंग पॉइंट) और डिजिटल क्लिक्स ही सब कुछ तय करते हैं। जब कोई न्यूज चौनल या डिजिटल प्लेटफॉर्म किसी सनसनीखेज व्यक्तित्व, भले ही वह जनता द्वारा नकारा गया हो, को बार-बार स्क्रीन पर लाता है, तो उसके पीछे मुख्य उद्देश्य दर्शकों का ध्यान खींचना होता है। विवाद, तीखे बयान और राजनीतिक ड्रामा दर्शकों को आकर्षित करते हैं, जिससे चौनलों की रेटिंग बढ़ती है और उन्हें विज्ञापन मिलते हैं। इस प्रक्रिया में देशहित के गंभीर मुद्दे, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी और बुनियादी विकास, पीछे छूट जाते हैं और मीडिया का झुकाव केवल उन चेहरों की तरफहो जाता है, जो व्यावसायिक रूप से फायदेमंद होते हैं।

इसके अलावा, आज के मीडिया परिदृश्य में एजेंडा सेटिंग और मीडिया के मालिकाना हक की भूमिका भी बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। कई बड़े मीडिया घरानों का स्वामित्व सीधे या परोक्ष रूप से उन कॉर्पोरेट समूहों या प्रभावशाली लोगों के हाथों में है, जिनके अपने विशिष्ट व्यावसायिक या राजनीतिक हित होते हैं। जब मीडिया का ढाँचा कुछ चुनिंदा हाथों में सिमट जाता है, तो निष्पक्षता की उम्मीद करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में किसी खास राजनेता या दल को बढ़ावा देना, चाहे वह सत्ता में हो या विपक्ष में और चाहे जनता ने उसे कितना भी नकारा हो, उस मीडिया घराने के दीर्घकालिक हितों का हिस्सा हो सकता है। यह स्थिति सीधे तौर पर देशहित से समझौता करती है, क्योंकि जनता को वह सच नहीं दिखाया जाता, जो उनके लिए जरूरी है, बल्कि वह नैरेटिव परोसा जाता है, जो किसी व्यक्ति या संगठन के अनुकूल हो। इस प्रवृत्ति को क्या देश के साथ बड़ी बेईमानी कहा जा सकता है, इसे विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखना होगा। जब मीडिया प्रशासन और जनता के बीच एक ईमानदार पुल का काम करने के बजाय किसी व्यक्ति विशेष की पीआर (पब्लिक रिलेशंस) एजेंसी की तरह व्यवहार करने लगता है, तो यह निश्चित रूप से लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों के साथ एक बड़ा विश्वासघात है। जनता समाचारों को सत्य मानकर अपने लोकतांत्रिक निर्णय लेती है। यदि उसे बार-बार केवल एक ही पक्ष या किसी खास अप्रासंगिक चेहरे को ही सबसे बड़े मसीहा या मुख्य बिंदु के रूप में दिखाया जाएगा, तो जनमानस की सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित होती है। यह देशहित के साथ इसलिए बेईमानी है, क्योंकि यह वास्तविक मुद्दों से जनता का ध्यान भटका कर देश के विकास की गति को धीमा करता है।

हालाँकि, इस सिक्के का एक दूसरा पहलू भी है। लोकतंत्र में विपक्ष और असहमत आवाजों की मौजूदगी अनिवार्य है। कई बार मीडिया उन नेताओं को भी मंच देता है, जो चुनाव हार चुके होते हैं या जनता के एक बड़े वर्ग द्वारा नापसंद किए जाते हैं, ताकि सत्ता पक्ष की नीतियों पर एक वैकल्पिक दृष्टिकोण सामने आ सके। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है, जब यह संतुलन पूरी तरह बिगड़ जाता है और जनसरोकार के मुद्दों को पूरी तरह दरकिनार करके केवल राजनीतिक नूराकुश्ती और व्यक्ति-केंद्रित बहसों को ही चौबीसों घंटे प्रसारित किया जाता है। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि मीडिया अपनी सामाजिक जिम्मेदारी से विमुख हो रहा है। लब्बोलुआब यह है कि ऐसी स्थिति केवल मीडिया की ही नहीं, बल्कि दर्शकों के रूप में समाज की भी परीक्षा लेती है। जब तक दर्शक सनसनीखेज खबरों और व्यक्ति-विशेष के प्रचार को देखना बंद नहीं करेंगे, तब तक व्यावसायिक कारणों से मीडिया अपनी इस कार्यशैली को नहीं बदलेगा।

लेखक: स्वदेश कुमार

अमर भास्कर

(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)

- वरिष्ठ संरक्षक : वेदभानु आर्य
- संरक्षक : हामिद अली खाँ
- प्रधान संपादक : फरीद क़ादरी
- संपादक : अबरार अहमद
- कानूनी सला. : मुहम्मद फुरकान, एड.
- व्यवस्थापक : ठा. वेदपाल सिंह
- मैनेजर : केपी यादव
- सह-संपादक : मोहम्मद राशिद
- उप संपादक : जहाँगीर भारती
- दिल्ली प्रभारी : प्रतिमा पाठक

हमारे यूट्यूब चैनल *Amar Bhaskar News* को सब्सक्राइब करें वैल आइकॉन दबाना न भूलें।

-सर्वेश उपाध्याय, मैनेजिंग एडिटर*

अगर आपके पास भी है कोई कविता, रचना, लेख, गजल एवं छंद तो हमें लिख भेजिए, हमारा पता है:-

अमर भास्कर कार्यालय

निकट होटल रिजेन्सी, लावेला चौक बदायूं (उ.प्र.)।

पिन कोड-243601

Email- amarbhashkar21@gmail.com

Whatsapp. No. 9411214614

क्या राहुल गांधी कांग्रेस का वामपंथीकरण कर रहे हैं?

भारतीय राजनीति में विचारधाराओं का टकराव नया नहीं है, लेकिन देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी कांग्रेस में हाल के वर्षों में जो वैचारिक बदलाव आया है, वह न केवल हैरान करने वाला है, बल्कि गंभीर सवाल भी खड़े करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की जोड़ी से राजनीतिक विरोध की आड़ में कांग्रेस और उसके शीर्ष नेतृत्व राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने विरोध की सभी मर्यादाओं को ताक पर रख दिया है। भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) हमेशा से उनके निशाने पर रहे हैं, लेकिन वर्तमान में यह मनमुटाव इस स्तर पर पहुंच चुका है, जहां व्यक्तिगत और दलीय विरोध अब देश की संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाने लगा है। राजनीतिक लाभ और वोट बैंक की इस अंधी दौड़ में राहुल गांधी को अब वे चेहरे सबसे अधिक भा रहे हैं, जिनकी पहचान केवल और केवल देश विरोधी और अराजक गतिविधियों से जुड़ी रही है। जेएनयू से निकले वामपंथी उग्रवाद के पैरोकार कन्हैया कुमार को पार्टी में मुख्यधारा का पद देना हो, या फिर शरजील इमाम और उमर खालिद जैसे तत्वों के बयानों और हरकतों में राजनीति के अवसर तलाशना हो, कांग्रेस का यह नया चेहरा उसकी पुरानी राष्ट्रीय मुख्यधारा की छवि से बिल्कुल मेल नहीं खाता।

देश के संवेदनशील हिस्सों को भारत से अलग करने की बात करने वाले शरजील इमाम या दिल्ली दंगों की साजिश के आरोपों से घिरे उमर खालिद जैसे चेहरों के इर्द-गिर्द खड़े होकर जिस तरह का नैरेटिव तैयार करने की कोशिश की जा रही है, वह साफतौर पर देश की संप्रभुता के खिलाफ खड़े होने जैसा है। इन तथाकथित युवा नेताओं के बयानों और उनकी रणनीतियों का यदि गहराई से विश्लेषण किया जाए, तो इसमें एक स्पष्ट विदेशी एजेंडा और वैश्विक भारत-विरोधी टूलकिट की गूंज सुनाई देती है। जब संसद, न्यायपालिका और चुनाव आयोग जैसी भारत की सबसे मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं पर अंतरराष्ट्रीय मंचों से सवाल उठाए जाते हैं, तो राहुल गांधी के सुर बिल्कुल उन्हीं विदेशी ताकतों और थिंक-टैंकों से मिलते हैं, जो भारत की बढ़ती वैश्विक साख को पचा नहीं पा रहे हैं। भारत के भीतर असंतोष पैदा करने, युवाओं को भड़काने और विभिन्न समुदायों के बीच अविश्वास की खाई को गहरा करने के लिए जिस तरह वामपंथी विचारधारा का सहारा लिया जा रहा है, वह बेहद खतरनाक है।

कन्हैया कुमार और शरजील इमाम जैसों का एजेंडा कभी भी लोकतांत्रिक सुधार नहीं रहा, बल्कि उनका उद्देश्य देश की आंतरिक स्थिरता को ध्वस्त करना रहा है। जब देश के टुकड़े करने के नारे लगाने वालों और विदेशी फंडिंग के सहारे भारत को बदनाम करने वाली ताकतों के साथ कांग्रेस पार्टी खड़ी दिखाई देती है, तो यह साफहो जाता है कि सत्ता की छटपटाहट में राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता को भी दांव पर लगा दिया गया है।

कांग्रेस के वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं ने समय-समय पर राहुल गांधी की इसी आत्मघाती सोच के कारण पार्टी से किनारा कर लिया, क्योंकि वे अपनी आंखों के सामने उस दल का पतन नहीं देख सकते थे, जिसने कभी आजादी के आंदोलन का नेतृत्व किया था। आज कांग्रेस के मंचों पर देश के दिग्गज कांग्रेसी नेताओं की जगह वामपंथी और चरमपंथी विचारधारा के लोग घेरा बनाए रहते हैं, जो राहुल और प्रियंका की हर सही-गलत बात में हां में हां मिलाने का काम करते हैं। यह स्थिति इस गंभीर सवाल को जन्म देती है कि क्या राहुल गांधी जानबूझकर कांग्रेस का वामपंथीकरण कर रहे हैं? इसका उत्तर कांग्रेस की मौजूदा कार्यशैली और उनके सलाहकारों की पृष्ठभूमि में साफदेखा जा सकता है।

कांग्रेस धीरे-धीरे अपनी मध्यमार्गी और सर्वसमावेशी राजनीति को छोड़कर घोर वामपंथी और विभाजनकारी एजेंडे की तरफ बढ़ चुकी है। पार्टी के पुराने और कद्दावर नेताओं को दरकिनार कर जेएनयू और वामपंथी थिंक-टैंक से आए लोगों को नीति-निर्धारक बना दिया गया है। कॉकरोच जनता पार्टी जैसे असंसदीय और निम्न स्तर के बयानों को बढ़ावा देना और देश की जनता द्वारा चुनी गई सरकार को हर स्तर पर अवैध ठहराने की कोशिश करना इसी वामपंथी सोच का हिस्सा है, जो अराजकता में ही अपना भविष्य देखती है।

हालात यह हैं कि कांग्रेस पार्टी में आमतौर पर पूरा ध्यान और लाइमलाइट गांधी परिवार या पार्टी के बहुत वरिष्ठ नेताओं तक ही सीमित रहता है। लेकिन अक्टूबर 2026 में इंडिया गठबंधन की एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक बेहद चौंकाने वाला दृश्य देखा गया। राहुल गांधी ने वरिष्ठ विपक्षी नेताओं की कतार को बीच में ही रोककर, पीछे खड़ीं नेहा बोरा को खुद आगे बुलाया और उनके हाथ में माइक थमा दिया।

यह राजनीतिक रूप से एक बहुत बड़ा संकेत था, जिसने स्थापित किया कि राहुल गांधी वामपंथी छात्र चेहरों को अपने मंच पर कितनी बड़ी प्राथमिकता दे रहे हैं। नेहा बोरा को कांग्रेस आलाकमान द्वारा दिए जा रहे इस अभूतपूर्व महत्व से खुद कांग्रेस के भीतर और उसकी अपनी छात्र शाखा नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफइंडिया यानी एनएसयूआई के कैडर्स में भारी आंतरिक असंतोष और असहजता है।

राहुल गांधी की इस राजनीति ने कांग्रेस को एक ऐसी दिशा में धकेल दिया है, जहां उसे राष्ट्रहित से बड़ा अपना संकुचित वोट बैंक नजर आता है। विदेशी जमीन पर जाकर भारत के लोकतंत्र को मृत घोषित करना और विदेशी शक्तियों से हस्तक्षेप की गुहार लगाना इसी वैचारिक गुलामी का प्रमाण है। कांग्रेस का यह पूरी तरह से बदला हुआ वामपंथी स्वरूप न केवल पार्टी के ऐतिहासिक अस्तित्व को मिटा रहा है, बल्कि देश विरोधी तत्वों को मुख्यधारा की राजनीति में लाकर भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा भी पैदा कर रहा है।

राहुल की अविश्वास वाली राजनीति के चलते पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस पार्टी के कई कद्दावर, युवा और दशकों पुराने निष्ठावान नेताओं ने आलाकमान की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए इस्तीफा दे दिया। इसमें गुलाम नबी आजाद जैसे मुस्लिम चेहरे भी शामिल हैं।

लेखक: संजय सक्सेना

16 साल में पहली बार वेस्टइंडीज ने भारत में जीते दो टी20 मैच

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज के चौथे मुकाबले में टीम इंडिया को 24 रन से हार झेलनी पड़ी। इसी के साथ सीरीज फिलहाल 2-2 की बराबरी पर है। इसका आखिरी और निर्णायक मुकाबला 17 अक्तूबर को बंगलूरू में खेला जाएगा। हालांकि, दो मैच जीतने के साथ ही वेस्टइंडीज ने एक खास उपलब्धि हासिल की है। 16 साल के भारत-वेस्टइंडीज टी20 इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है, जब कैरेबियाई टीम ने भारतीय सरजमीं पर पांच मैचों की द्विपक्षीय टी20 सीरीज में दो मुकाबले जीते हैं।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच 2011 में पहली बार द्विपक्षीय टी20 सीरीज का मुकाबला खेला गया था। तब से दोनों टीमों के बीच पांच मैचों की सीरीज सिर्फ तीन बार हुई है। इनमें दो बार वेस्टइंडीज के होम ग्राउंड पर सीरीज खेली गई, जबकि भारत में पहली बार पांच मैचों की सीरीज हो रही है। वेस्टइंडीज भारत के खिलाफ कितने भी मैचों की द्विपक्षीय सीरीज में भी सिर्फ एक बार दो या इससे ज्यादा मैच जीत पाया है। इस सीरीज से पहले ऐसा 2023 में हुआ था, जब वेस्टइंडीज ने अपनी मेजबानी में भारत को 3-2 से शिकस्त दी थी।

भारतीय टीम के लिए सबसे बड़ी चिंता गेंदबाजी है। रांची में दूसरे टी20 में 249 रन का लक्ष्य देने के बावजूद भारत उसे बचा नहीं पाया था। वहीं, हैदराबाद में चौथे टी20 में भारतीय गेंदबाजों ने तीन विकेट पर 247 रन लुटा दिए। मयंक यादव ने 52 और अर्शदीप सिंह ने 52 रन दिए। दोनों ने 13 रन प्रति ओवर की दर से रन खर्च किए।

बुमराह की गैरमौजूदगी में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को अनुभव और सटीक रणनीति की कमी खल रही है। तेज गेंदबाज सही लेंथ पर लगातार गेंदबाजी नहीं कर पा रहे हैं, जबकि वेस्टइंडीज के बल्लेबाज इसका फायदा उठा रहे हैं। सूखी पिचों पर गेंदबाजों को परिस्थितियों के हिसाब से रणनीति बदलने की जरूरत है। ऐसे में सिर्फ तेज गति के भरोसे विपक्षी बल्लेबाजों को रोकना मुश्किल हो रहा है।

भारतीय टीम की दूसरी कमजोरी परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने में नजर आ रही है। बल्लेबाजी के अनुकूल पिचों पर बड़े स्कोर बनाना एक बात है, लेकिन लक्ष्य का पीछा करते समय दबाव संभालना और मध्य ओवरों में रन रोकना अलग चुनौती है। हैदराबाद में भारतीय टीम 248 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 24 रन से हार गई। संजू सैमसन ने 56 रन बनाकर अच्छी शुरुआत दिलाई, लेकिन दूसरे बल्लेबाज इसे बड़ी साझेदारी में नहीं बदल सके। टीम को ऐसे हालात में वैकल्पिक रणनीति की जरूरत है, जहां पिच और ओस का फायदा पूरी तरह उसके पक्ष में न हो। 2028 टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए भारत को अलग-अलग परिस्थितियों में खेलने की तैयारी करनी होगी। भारत की तीसरी कमजोरी बल्लेबाजी में जोखिम लेने के तरीके से जुड़ी है। बड़े लक्ष्य का पीछा करते समय बल्लेबाजों का गैरजरूरी शॉट खेलकर विकेट गंवाना टीम पर दबाव बढ़ा रहा है। पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर भी बल्लेबाजों से अधिक जिम्मेदारी लेने की अपील कर चुके हैं। इस सीरीज के दिए गए आंकड़ों के अनुसार, भारतीय बल्लेबाजों के आउट होने के 26 मामलों में से 16 कैच के जरिए आए। यानी कुल विकेटों में करीब 61.53 फीसदी कैच से गिरे।

गाजियाबाद-रामपुर विविध

एमएलसी स्नातक चुनाव को लेकर भाजपा ने बनाई रणनीति

अमर भास्कर, ब्यूरो

मुरादनगर। विधानसभा क्षेत्र में एमएलसी स्नातक चुनाव को लेकर भाजपा ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए विधानसभा प्रभारी एवं पूर्व महापौर आशु वर्मा की अध्यक्षता में आरकेजीआईटी कॉलेज के सभागार में बैठक हुई। इसमें मंडलवार मतदाता संपर्क और मतदान केंद्रों पर समन्वय की कार्ययोजना बनाई गई। मतदान 23 अक्टूबर को सुबह आठ से शाम चार बजे तक होगा।

बैठक में इंग्राहम इंटर कॉलेज राजनगरए, हंस डिग्री कॉलेज मुरादनगर, रजापुर ब्लॉक कार्यालय, मोरटा और राजकीय पॉलिटेक्निक शास्त्री नगर स्थित मतदान केंद्रों पर मतदान बढ़ाने पर चर्चा हुई। मुरादनगर शहर एवं देहात, जलालाबाद, मोदीनगर, डासना देहात, गोविंदपुरम, राजनगर और कविनगर मंडलों के पदाधिकारियों को मतदाताओं से संपर्क की जिम्मेदारी दी गई।

आशु वर्मा ने कहा कि चुनाव में बेहतर परिणाम के लिए कार्यकर्ताओं का समन्वय और मतदाताओं से प्रभावी संपर्क जरूरी है। स्नातक विधानसभा संयोजक एडवोकेट सचिन गोयल ने मतदाता सूची और योजनाबद्ध जनसंपर्क को महत्वपूर्ण बताया। सह-संयोजक एवं पार्षद प्रदीप चौधरी ने कहा कि कोई पात्र मतदाता जानकारी के अभाव में मतदान से वंचित न रहेए इसके लिए अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर केंद्र प्रभारी एवं पूर्व पार्षद ललित शर्मा, मंडल अध्यक्ष ठाकुर गजेंद्र सिंह, राहुल गोयल, जगत प्रताप सिंह, अभिजीत मुखर्जी, मनीष मित्तल, हरीश राजौरा, बिंदु त्यागी, गीता चौधरी, मोहित त्यागी, सोनिया त्यागी व विजय लक्ष्मी शर्मा आदि मौजूद रहे।

जिला अस्पताल में वेंटिलेटर शुरू करने के लिए मांगा स्टाफ

अमर भास्कर, ब्यूरो

रामपुर। जिला अस्पताल में गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार देने के लिए 10 वेंटिलेटर शुरू करने की तैयारी है। इसके लिए अस्पताल प्रशासन ने शासन से प्रशिक्षित स्टाफ की मांग की है।

सीएमएस ने इस संबंध में शासन को पत्र भेजा है। कोरोना काल में जिला अस्पताल को ये 10 वेंटिलेटर मिले थे। फिलहाल प्रशिक्षित स्टाफ की कमी के कारण इनका संचालन नहीं हो पा रहा है। वर्तमान में गंभीर मरीजों को उपचार के लिए उच्च केंद्र भेजना पड़ता है। वेंटिलेटर शुरू

होने से जरूरतमंद मरीजों को जिला अस्पताल में ही सुविधा मिलेगी।

डॉ. बीसी सक्सेना, सीएमएस ने बताया कि स्टाफमिलने के बाद गंभीर मरीजों को बेहतर उपचार मिल सकेगा।

मॉक पार्लियामेंट में छात्रों ने निभाई सत्ता पक्ष और विपक्ष की भूमिका

अमर भास्कर, ब्यूरो

गाजियाबाद। प्रताप विहार स्थित न्यू रेनबो पब्लिक स्कूल की सीनियर विंग में मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया गया। इसमें छात्र-छात्राओं ने सत्ता पक्ष और विपक्ष की भूमिका निभाते हुए संसद की कार्यवाही का जीवंत प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम की शुरुआत लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका निभा रहे छात्र के संबोधन से हुई। इसके बाद प्रश्नकाल में यूपीआईए जीएसटीए एसआईआर और चुनाव आयुक्त जैसे विषयों पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। प्रधानमंत्रीए गृहमंत्री और विपक्ष के नेता की भूमिका निभा रहे विद्यार्थियों ने भी सदन को संबोधित किया। प्रधानाचार्या रुचि गुप्ता ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ सार्वजनिक रूप से बोलने का आत्मविश्वास, आलोचनात्मक सोच, टीमवर्क और धैर्य विकसित होता है।

प्रदूषण नियंत्रण उपकरण न लगाने वाली फैक्टरियां होंगी

अमर भास्कर, ब्यूरो

गाजियाबाद। अंतिम नोटिस के बावजूद वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण नहीं लगाने वाली 30 से अधिक फैक्टरियों पर अब कार्रवाई की तैयारी है। क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ऐसी इकाइयों की सूची तैयार कर एनसीसीबी को रिपोर्ट भेजेगा। इसके बाद फैक्टरियों को बंद कराने की कार्रवाई की जाएगी।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग फरवरी में औद्योगिक इकाइयों की चिमनियों से निकलने वाले पार्टिकुलेट मैटर की सीमा 80 से घटाकर 50 मिलीग्राम प्रति नॉर्मल क्यूबिक मीटर करने के निर्देश दिए थे। इकाइयों को 30 सितंबर तक चिमनियों में आवश्यक फिल्टर

लगाने थे।

बोर्ड ने गाजियाबाद में करीब 260 इकाइयों को चिह्नित किया था। इनमें 140 ने प्रक्रिया शुरू करने की जानकारी दी, जबकि शेष 120 को दोबारा नोटिस जारी किया गया। एक अक्टूबर से नियम लागू होने के बाद भी 30 से अधिक इकाइयों में उपकरण नहीं लगाए गए हैं।

क्षेत्रीय अधिकारी अंकित सिंह ने बताया कि टीम रिपोर्ट तैयार कर रही है। ऐसी इकाइयों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भाकियू किसान सभा ने किया घेराव

अमर भास्कर, ब्यूरो

मोदीनगर। देहात क्षेत्र में विद्युत समस्याओं और लाइन हटाने व ठीक कराने के नाम पर किसानों से रुपये मांगने की शिकायतों को लेकर भारतीय किसान यूनियन (किसान सभा) के पदाधिकारियों ने अधिशासी अभियंता कार्यालय का घेराव किया। इस दौरान अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं का समाधान कराने की मांग की गई।

जिलाध्यक्ष पुष्कर त्यागी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की विद्युत समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण होना चाहिए। इस मौके पर रोहित चौधरी, रोहित त्यागी, आकाश त्यागी, अवनीश प्रधान, आशु त्यागी रावली, धीरज त्यागी, राहुल शर्मा, साहिल खान, वाहिद खान, अब्जाद खान, रामनरेश शर्मा व शाहरुख खान आदि मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री बोले- भीड़ प्रबंधन सर्वोच्च प्राथमिकता

अमर भास्कर, ब्यूरो

उत्तराखंड। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने राज्य सरकार की हरिद्वार कुंभ-2027 को दिव्य एवं भव्य स्वरूप में आयोजित करने की प्रतिबद्धता के अनुरूप सभी तैयारियां निर्धारित समयसीमा में पूरी करने के निर्देश दिए हैं। बृहस्पतिवार को मेला नियंत्रण भवन सभागार में कुंभ की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करें।

भीड़ प्रबंधन, यातायात एवं पार्किंग, स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छता, पेयजल और आपदा प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने यह कहा कि कुंभ के लिए विकसित की जा रही आधारभूत सुविधाओं का लाभ हरिद्वार को वर्षभर मिलना चाहिए। सतपाल महाराज ने कहा कि हरिद्वार कुंभ का सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सफल आयोजन सुनिश्चित करने के लिए श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए पिछले आयोजनों के अनुभवों के आधार पर व्यापक कार्ययोजना तैयार की जाए। बसों एवं ट्रेनों के संचालन की ठोस योजना बनाकर उसका व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन संबंधी जानकारी समय से उपलब्ध हो सके। उन्होंने निर्देश दिए कि भीड़भाड़ वाले दिनों में भगदड़ जैसी घटनाओं की आशंका को रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जाए।

2 लाख के कर्ज से खड़ा किया बिग बॉस पार्लर

अमर भास्कर, ब्यूरो

सम्भल। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम युवा) धरातल पर युवाओं के सपनों को नई उड़ान दे रही है। जनपद संभल के बहजोई स्थित ईदगाह कॉलोनी निवासी मुशाहिद की कहानी इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। योजना के तहत मिले महज 2 लाख रुपये के ऋण और जिला उद्योग केंद्र के मार्गदर्शन से मुशाहिद ने न केवल अपने बिग बॉस मेन्स पार्लर को आधुनिक रूप देकर नई पहचान दिलाई, बल्कि आज वह सालाना 8 से 9 लाख रुपये का टर्नओवर हासिल कर रहे हैं। इस कारोबार से वे

खुद हर महीने 70 हजार रुपये कमा रहे हैं और चार अन्य युवाओं को रोजगार देकर उनकी आजीविका का जरिया भी बने हैं। दो लाख के कर्ज से बदली जिंदगी की तस्वीर ईदगाह कॉलोनी, बहजोई निवासी मुशाहिद पुत्र अच्छन बताते हैं कि वे सैलून, पार्लर के काम में आगे बढ़ना चाहते थे, लेकिन आर्थिक तंगी और पूंजी की कमी हमेशा राह में रोड़ा बन जाती थी। इसी बीच उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने तत्काल आवेदन किया और योजना के अंतर्गत उन्हें 2 लाख रुपये का ऋण स्वीकृत हो गया। इस धनराशि से उन्होंने बिग बॉस मेन्स पार्लर में आधुनिक उपकरण, कुर्सियां व साज-सज्जा के सामान जोड़कर इसे एक पेशेवर रूप दिया, जिससे कारोबार को नई रफ्तार मिली। मुशाहिद जैसे युवाओं की सफलता साबित करती है कि यह योजना धरातल पर असर दिखा रही है। जिले के प्रत्येक हुनरमंद युवा को वित्तीय मदद व तकनीकी मार्गदर्शन देकर आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का जन्म दिवस धूमधाम से मनाया

अमर भास्कर, ब्यूरो

सम्भल। गुरुवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार जिला सम्भल समाजवादी पार्टी द्वारा भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अवुल पकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम साहब का जन्म मनाया गया। इस मौके पर बैठक में जिला अध्यक्ष जिला महासचिव एवं पदाधिकारी द्वारा भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर अब्दुल कलाम साहब के चित्र पर माला अर्पण कर उन्हें याद किया गया बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष असगरी अंसारी ने कहा 15 अक्टूबर 1931 को उनका जन्म तमिलनाडु के

रामेश्वरम में एक साधारण परिवार में हुआ थ बावजूद उन्होंने पढ़ाई जारी रखी। उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। डॉ. कलाम साहब को भारत का मिसाइल मैन कहा जाता है। उन्होंने डीआरडीओ और इसरो में वैज्ञानिक के रूप में काम किया। उन्होंने अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण में भी उनका अहम योगदान था, जिससे भारत परमाणु शक्ति सम्पन्न देश बना। 25 जुलाई 2002 से 25 जुलाई 2007 तक वे भारत के 11वें राष्ट्रपति रहे। उन्हें जनता का राष्ट्रपति कहा जाता था। राष्ट्रपति भवन में रहते हुए भी वे बच्चों और युवाओं से मिलते रहते थे। वे हमेशा कहते थे कि देश का भविष्य युवाओं के हाथ में है। बैठक को संबोधित करते हुए जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण, पद्म विभूषण और देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। उन्होंने विंग्स ऑफ फायर, इग्नाइटेड माइंड्स, इंडिया 2020 जैसी कई प्रेरणादायक किताबें लिखीं, जो आज भी युवाओं को प्रेरित करती हैं। 27 जुलाई 2015 को शिलांग में छात्रों को लेक्चर देते समय दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया।

ऑपरेशन प्रहार के तहत कार्रवाई

अमर भास्कर, ब्यूरो

देहरादून। टिहरी पुलिस ने नशे की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के पास से 4.09 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई है। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 1.22 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल एक्टिवा स्कूटर को

भी जब्त किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्वेता चौबे के निर्देशन में जिले में नशे की तस्करी और बिक्री रोकने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ऑपरेशन प्रहार के तहत थत्यूड़ पुलिस ने एक वाहन की जांच के दौरान स्मैक बरामद कर एक युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। उसके आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

सार-संक्षेप

वन विभाग के अधिकारियो को माना सरमथुरा कोर्ट ने अवमानना का दोषी

अमर भास्कर, ब्यूरो

बाड़ी। सरमथुरा एमजेएम कोर्ट ने वन विभाग से जुड़े एक मामले में पीड़ित पक्ष द्वारा दी गई याचिका पर आदेश जारी किया है। एमजजेएम कोर्ट ने उक्त मामले में वन अधिकारियों को दोषी मानते हुए इसे अदालत के अवहेलना माना है। जिसमे गंभीर टिप्पणी करते हुए मामले से जुड़े सभी वन अधिकारियों के वेतन से रिलीज के आदेश जारी होने से लेकर उनको रिलीज किए जाने तक की अवधि के दौरान प्रतिदिन के हिसाब से उनके वेतन से दस, दस हजार रुपए वसूली करने के आदेश दिए हैं। पीड़ित पक्ष के अधिवक्ता एडवोकेट नरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया की 6 महीने पहले पीड़ित आसाराम और रामवीर के ट्रक एवं हाइड्रा मशीन को वन विभाग द्वारा अवैध खनन के मामले में जप्त किया था। उक्त मामले में पीड़ित पक्ष ने सभी वन अधिकारियों के यहां गुहार लगाई लेकिन जब कहीं भी सुनवाई नही हुई तो उन्होंने डीजे कोर्ट भरतपुर में परिवाद दायर किया। डीजे भरतपुर द्वारा 19/09/2026 को सुनवाई करते हुए अधीनस्थ न्यायालय को आदेशित किया कि वह उक्त मामले में दस,दस लाख रुपए के सुपुर्दगी नामा और तसतिकशुदा जमानत नामा लेकर वाहनों को रिलीज करने के आदेश दे।

उक्त आदेश की पालना में सरमथुरा एमजेएम कोर्ट ने 30 सितंबर को वन अधिकारियों को वाहन और हाइड्रा मशीन रिलीज करने के आदेश जारी किये। जिनको लेकर वाहन स्वामी जब रेंज कार्यालय सरमथुरा पहुचे तो वहां से उन्हें डीएफओ धौलपुर भेज दिया गया। डीएफओ धौलपुर से उन्हें एसीएफधौलपुर भेजा गया। इसी प्रकार कई दिनों तक गुमराह किया गया और कोर्ट के आदेशों की पालना नहीं की गई। ऐसे में पीड़ित पक्ष के उक्त मामले को लेकर अधिवक्ता नरेंद्र शर्मा ने 14 अक्टूबर को एमजेएम कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर एमजेएम विजेंद्र कुमार मीणा ने मामले को कोर्ट की अवहेलना और गम्भीर मानते हुए आदेश दिया है। कि क्षेत्रीय वन अधिकारी सरमथुरा, सहायक वन संरक्षक धौलपुर, उपवन संरक्षक धौलपुर और मुख्य वन संरक्षक भरतपुर उक्त मामले में दोषी हैं। जिन्होंने 30 सितंबर को वाहनों को रिलीज करने के आदेश की अवहेलना की है। ऐसे में 30 सितंबर से लेकर जब तक वाहनों को रिलीज नहीं किया जाता है तब तक प्रति अधिकारी के वेतन से दस-दस हजार रुपये प्रतिदिन की वसूली की जाए। आदेश की तामील के लिए सीओ सरमथुरा को आदेशित किया है और जांच रिपोर्ट 26 अक्टूबर को कोर्ट में पेश करने के आदेश दिए हैं। न्यायिक अधिकारी ने अपने आदेश में गंभीर टिप्पणी की है। उन्होंने कहा है कि ज्यादातर देखने में आ रहा है की वन विभाग से अधिकारी कोर्ट के आदेशों की पालना नहीं कर रहे। पूर्व में भी एक आदेश की पालना नहीं हुई थी। ऐसे में अधिकारी हठधर्मिता, अनुशासनहीनता और न्यायालय के प्रति अवहेलना बरत रहे हैं। जिसको लेकर हाईकोर्ट जयपुर को भी उक्त मामले से अवगत कराने का निर्णय लिया है।

डॉ. कलाम की जयंती पर मेधावी छात्राओं का मिला सम्मान

अमर भास्कर, ब्यूरो

संभल। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती के अवसर पर सत्यवीर इंटर कॉलेज, मौहम्मदपुर टांडा में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। गरिमा समाज सेवा समिति फाउंडेशन, हापुड़ एवं कैंब्रिज अकेडमी ऑफ फॉरेन स्टडीज, संभल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा और ज्ञान का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को ट्रॉफी एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य

विद्यार्थियों में सामान्य ज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाना, शैक्षिक जागरूकता विकसित करना तथा उनके बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करना रहा। प्रतियोगिता के परिणाम में अरीबा ने प्रथम स्थान प्राप्त कर बाजी मारी, जबकि संस्कृति चौधरी द्वितीय और अलीना जहां तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम के समापन पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में गरिमा समाज सेवा समिति फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक मित्तल, कैंब्रिज अकैडमी की अध्यापिका मुस्कान एवं सत्यवीर इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या कामना चौधरी ने विजेता छात्राओं को ट्रॉफी एवं पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। सम्मान पाकर छात्राओं के चेहरे खिल उठे। इस अवसर पर गरिमा समाज सेवा समिति फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक मित्तल ने कहा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का जीवन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने शिक्षा, परिश्रम और अनुशासन के बल पर देश-दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई। विद्यार्थियों को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए और उन्हें हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उनकी प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या कामना चौधरी ने कहा कि शैक्षिक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं। ऐसे आयोजनों से बच्चों में प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है और उन्हें अपनी क्षमताओं को पहचानने का अवसर मिलता है। उन्होंने आयोजन करने वाली संस्थाओं के प्रयासों की सराहना की।

अस्पताल से अचानक बिना बताए निकली गर्भवती, सिंह मंदिर पैदल मार्ग पर दिया बच्चे को जन्म

अमर भास्कर, ब्यूरो

चमोली। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दो दिन से भर्ती एक गर्भवती महिला अस्पताल से अचानक चली गई। इस दौरान गर्भवती ने नृसिंह मंदिर पैदल मार्ग पर ही एक बच्चे को जन्म दिया। जिसकी सूचना मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और दोनों जच्चा बच्चे को लेकर अस्पताल पहुंची। दोनों सुरक्षित हैं। बताया जा रहा है कि जब नेपाली मूल की महिला प्रसव के लिए अस्पताल में थी तो वहीं उस समय पहले से ही एक महिला का प्रसव कराया जा रहा था। डॉक्टरों ने गर्भवती महिला को बाहर कुछ देर इंतजार

करने को कहा, लेकिन वह बिना बताए ही अस्पताल से निकल गई। दूसरी महिला के प्रसव के बाद महिला को अस्पताल में नही दिखने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम महिला को ढूढने निकली तभी स्थानीय लोगों की सूचना मिलने के बाद टीम पीडब्ल्यूडी कार्यालय के पास पहुंची जहां पर महिला प्रसव पीड़ा में थी। तभी महिला का सफल प्रसव कराया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी डॉ गौतम ने बताया कि अस्पताल ने दोनों स्वास्थ हैं।

ग्राम आजीविका केन्द्र का भव्य उद्घाटन किया जाएगा

अमर भास्कर, ब्यूरो

जसपुर। ऊधमसिंह नगर नवरात्रि के पावन अवसर पर ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, ग्राम मंडुआखेड़ा में श्ग्राम आजीविका केन्द्र का भव्य उद्घाटन संपन्न हुआ। यह केन्द्र सूर्या फाउण्डेशन की आदर्श गाँव योजना के सहयोग से हिमान्या क्लस्टर के अंतर्गत संचालित ज्योति ग्राम संगठन द्वारा स्थापित किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आ. वेद जी और अनूप कौर द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर सूर्या रोशनी लिमिटेड के प्लांट हेड शुभम जी, आदर्श गांव योजना प्रमुख प्रमोद जी सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति और

सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही। मशीनीकरण से मिलेगी स्वरोजगार को गति इस केन्द्र के संचालन हेतु आवश्यक मशीनें सूर्या रोशनी लिमिटेड द्वारा अपनी पहल के अंतर्गत प्रदान की गई हैं। केन्द्र में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा उच्च गुणवत्ता वाले डिटरजेंट पाउडर, हैंडवाश, टॉयलेट क्लीनर और फ्लोर क्लीनर का निर्माण किया जाएगा। उद्घाटन के दौरान आ. वेद जी ने कहा, ष्हमारा उद्देश्य हुनर को रोजगार में बदलना है, ताकि गाँव की हर महिला आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो सके। महिलाओं को मिलेगा प्रत्यक्ष रोजगार रू इस केन्द्र के माध्यम से शुरुआती चरण में लगभग 20 महिलाओं को प्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त होगा।

आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से कराएं सम्पन्न

अमर भास्कर, ब्यूरो

सम्भल। आगामी रामनवमी, रामलीला, दुर्गा पूजा, दशहरा एवं महर्षि वाल्मीकि जयंती को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं परंपरागत ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल एवं पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह ने थाना क्षेत्रवार शांति समिति के सदस्यों, थानाध्यक्षों, क्षेत्राधिकारियों एवं उपजिलाधिकारियों से त्योहारों के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों, संभावित समस्याओं तथा आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। सदस्यों ने रामलीला मंचन, राम बारात, मेला स्थलों की साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य शिविर, अग्निशमन तथा रावण दहन के दौरान पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सहित विभिन्न सुझाव दिए। अपर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्यक्रम स्थलों एवं पंडालों का निरीक्षण कर प्रवेश और निकास मार्गों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अग्निशमन उपकरणों, बालू से भरी बाल्टियों तथा आवश्यक सुरक्षा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाए। आयोजकों से वालंटियर्स की सूची उपलब्ध कराने को कहा

गया। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यक्रम स्थलों की साफ-सफाई स्ट्रीट लाइट, विद्युत तारों की जांच तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। रावण दहन स्थलों पर फायर ब्रिगेड, अग्निशमन उपकरण एवं एम्बुलेंस की व्यवस्था रखने तथा सीएचसी और पीएचसी पर चिकित्सकों की उपलब्धता एवं बर्न वार्ड की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को मेला स्थलों के आसपास छुट्टा पशुओं की रोकथाम, खाद्य सुरक्षा विभाग को खाद्य पदार्थों की जांच तथा संबंधित अधिकारियों को विद्युत चालित झूलों की एनओसी एवं सुरक्षा मानकों की जांच करने के निर्देश दिए गए। मूर्ति विसर्जन स्थलों पर बैरिकेडिंग, गोताखोरों तथा पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया।

पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि त्योहार समाज को जोड़ने और आपसी सौहार्द बढ़ाने का माध्यम हैं। सभी त्योहार संवेदनशील होते हैं, इसलिए पुलिस प्रशासन एवं आयोजक पूरी सतर्कता बरतें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न होने दें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सत्यप्रिय सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सौरभ कुमार पाण्डेय, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक, अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार रावत, सिटी मजिस्ट्रेट सुधीर कुमार सहित समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, खंड विकास अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका एवं नगर पंचायत तथा संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी शांति समिति के सदस्य कमल कांत तिवारी,मोनू यादव, भुवनेश,नाजिम सैफी, ऐहतेशाम अहमद फारुख मुस्तकीम आदि उपस्थित रहे।

ताला हार्डवेयर के गोदाम में लगी, लाखों का सामान राख

अमर भास्कर, ब्यूरो

अलीगढ़। थाना देहलीगेट क्षेत्र के शांति नगर स्थित एडीए कॉलोनी में ताला हार्डवेयर के गोदाम में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग की चपेट में आकर गोदाम में रखा लाखों रुपये का सामान जल गया। दमकल की पांच गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया। करीब आठ घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर एक बजे आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। शांति नगर निवासी मोहम्मद राशिद का एडीए कॉलोनी में अलीगढ़ लॉक्स के नाम से ताला हार्डवेयर का गोदाम है। बुधवार देर रात करीब दो बजे गोदाम में आग लग गई। उस समय इसकी जानकारी किसी को नहीं हो सकी। बृहस्पतिवार सुबह करीब पांच बजे आसपास के लोगों ने आग लगने की सूचना गोदाम मालिक को दी। जानकारी मिलते ही राशिद स्थानीय लोगों के साथ आग बुझाने में जुट गए। आग बढ़ती देख दमकल विभाग को सूचना दी गई। इसके बाद दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की लपटों पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

दोपहर करीब एक बजे आग बुझाई जा सकी। बन्नादेवी के फायर सर्विस ऑफिसर संजीव कुमार सिंह ने बताया कि हादसे में गोदाम में रखा सामान जलने से लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। आग कैसे लगी, इसकी वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है।

विधान परिषद चुनाव फर्जी मतदान पर लगेगी लगाम

अमर भास्कर, ब्यूरो

अलीगढ़। विधान परिषद चुनाव में मतदाता की पहचान सुनिश्चित करने और फर्जी मतदान पर अंकुश लगाने के लिए निर्वाचन आयोग ने पहचान संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं। 23 अक्टूबर को होने वाले उत्तर प्रदेश विधान परिषद के स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के द्विवार्षिक चुनाव में मतदाताओं को मतदान से पहले अपनी पहचान प्रमाणित करनी होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने बताया कि जिन मतदाताओं को फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र जारी किया गया है, उन्हें मतदान के समय इसे प्रस्तुत करना होगा। पहचान पत्र उपलब्ध न होने की स्थिति में आयोग द्वारा निर्धारित वैकल्पिक पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दिखाकर मतदान किया जा सकता है। वैकल्पिक दस्तावेजों में आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, सरकारी एवं निर्धारित संस्थानों द्वारा जारी सेवा पहचान-पत्र और सांसद, विधायक एवं पार्षदों को जारी सरकारी पहचान-पत्र शामिल हैं। संबंधित स्नातक एवं शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता अपने शैक्षिक संस्थान द्वारा जारी सेवा पहचान-पत्र, विश्वविद्यालय की डिग्री या डिप्लोमा का मूल प्रमाण-पत्र, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता प्रमाण-पत्र अथवा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा जारी यूडीआईडी कार्ड से भी निर्धारित नियमों के तहत पहचान प्रमाणित कर सकेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं से अपील की है कि मतदान के दिन निर्धारित पहचान दस्तावेज अवश्य साथ लाएं। इससे पहचान सत्यापन में सुविधा होगी, मतदान प्रक्रिया व्यवस्थित रहेगी और पात्र मतदाता बिना अनावश्यक परेशानी के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं का शैक्षिक भ्रमण का हुआ आयोजन

अमर भास्कर, ब्यूरो

फिरोजाबाद। विकास खंड अरांव के नवाचारी शिक्षकों द्वारा परिषदीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के मेधावी छात्र-छात्राओं के लिए एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का शानदार आयोजन किया गया। इस दल को 'जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा' एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने हरी झंडी दिखाकर आगरा के लिए रवाना किया।

शैक्षिक भ्रमण के दौरान बच्चे आगरा के ऐतिहासिक स्थलों जैसे कि ताजमहल, आगरा का किला, सिकंदरा और गुरुद्वारा का दीदार कर अपने व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाएंगे।

रवानगी से पहले जिलाधिकारी महोदय एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बच्चों से बातचीत कर उनके शैक्षिक स्तर का आकलन किया। बच्चों के सटीक उत्तर और बुद्धिमत्ता को देखकर उन्होंने गहरी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बच्चों का हौसला बढ़ाते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया और मन लगाकर पढ़ाई करने व जीवन में कड़ी मेहनत करने की सीख दी।

अधिकारियों ने इस ज्ञानवर्धक यात्रा के सफल आयोजन के लिए शिक्षक टीम की जमकर सराहना की। इस मुहिम को सफल बनाने में मुख्य रूप से शिक्षक प्रमोद कुमार, दिनेन्द्र प्रताप, कृष्णकांत, सलिल यादव, सोनाली यादव, मनीषा शर्मा, मनोज कुमार, नरेंद्र सिंह, सरिता यादव और मु. शाहिद का विशेष योगदान रहा।

अवैध असलाह सहित पुलिस ने अभियुक्त को किया गिरफ्तार

अमर भास्कर, ब्यूरो

फिरोजाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद आदित्य लांग्हे के निर्देशन में अवैध शस्त्रों की बरामदगी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निकट पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल नेतृत्व में थाना लाइनपार पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर एक अभियुक्त श्रीभगवान उर्फ छोटे पुत्र कन्हैयाराम निवासी छारबाग थाना लाइनपार जनपद फिरोजाबाद को एक अवैध तमंचा 315 बोर व एक जिंदा कारतूस 315 बोर सहित दतौंजी रेलवे पुल से आगे स्थित समाधि के पास से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना लाइनपार पर अभियुक्त श्रीभगवान उर्फ छोटे उपरोक्त के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया है। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही कर मा० न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

सार-संक्षेप

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मेला ग्राउंड सोरों में चलाया वृहद स्वच्छता अभियान

अमर भास्कर, ब्यूरो

कासगंज। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जनपद कासगंज के मेला ग्राउंड सोरों में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर सदर विधायक देवेंद्र सिंह राजपूत, जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष सोरों रामेश्वर दयाल, जिलाधिकारी प्रणय सिंह, ने स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता करते हुए आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। स्वच्छता अभियान के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी ने स्वयं हाथों में झाड़ू लेकर मेला ग्राउंड परिसर में साफ-सफाई की तथा उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं नागरिकों को स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग है और इसे केवल एक अभियान तक सीमित न रखकर अपनी नियमित दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।

इस अवसर पर सदर विधायक देवेंद्र सिंह राजपूत, भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा ने भी स्वच्छता अभियान में सहभागिता करते हुए नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाए रखने का संदेश दिया। स्वच्छता अभियान के दौरान मुख्य विकास अधिकारी वीरेंद्र सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष सोरों रामेश्वर दयाल, परियोजना निदेशक, उपजिलाधिकारी हर्षिता देवड़ा सहावर, तहसीलदार बलवंत उपाध्याय कासगंज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने स्वच्छता अभियान में सहभागिता कर स्वच्छ एवं सुंदर जनपद बनाने का संदेश दिया।

स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर भाजपा ने तेज किया संपर्क अभियान

अमर भास्कर, ब्यूरो

कासगंज। स्नातक एमएलसी चुनाव के मद्देनजर भारतीय जनता पार्टी ने संपर्क एवं संवाद अभियान के माध्यम से संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाई है। इसी क्रम में गुरुवार को कासगंज स्थित श्री गणेश इंटर कॉलेज में भाजपा प्रत्याशी श्री मानवेंद्र सिंह गुरुजी के साथ पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संपर्क एवं संवाद किया। इस दौरान स्नातक एमएलसी चुनाव से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही संगठनात्मक समन्वय को मजबूत बनाने और चुनाव से संबंधित गतिविधियों में पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष नीरज शर्मा, विधान परिषद सदस्य रजनीकांत माहेश्वरी, क्षेत्रीय मंत्री डी.एस. लोधी, कृष्णकांत वशिष्ठ एवं आकाशदीप रानू, डॉ मनोज शर्मा सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी और कर्मठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने चुनाव से संबंधित विषयों पर आपसी संवाद स्थापित करते हुए संगठनात्मक समन्वय के साथ कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड अब उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण शहर अलीगढ़ में

अमर भास्कर, ब्यूरो

अलीगढ़। देश में इंजीनियरिंग व मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए विख्यात एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड अब उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण शहर अलीगढ़ में भी ऑफलाइन क्लासरूम कोचिंग की सेवाएं देगा। इसकी घोषणा गुरुवार को प्रगति विहार कॉलोनी स्थित होटल लेमन ट्री में आयोजित समारोह में की गई। घोषणा के साथ ही एडमिशन शुरू हो गए। एक नवम्बर को आयोजित होने जा रहे एलन शार्प एग्जाम में शामिल होकर एलन फीस में 90 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप प्राप्त की जा सकती है। समारोह में मुख्य अतिथि एलन के चीफ एकेडमिक ऑफिसर सीआर चौधरी, एलन के वाइस प्रसीडेंट एंड जोनल हेड डॉ. विपिन योगी एवं एलन अलीगढ़ के मेंटोर एवं सेंटर हेड विकास सिंघल सहित अन्य सीनियर फैकल्टीज एवं स्टूडेंट्स पेरेन्ट्स की मौजूदगी में पोस्टर का विमोचन किया गया। एलन के सीओ सीआर चौधरी ने कहा कि एलन का उद्देश्य हर विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। इसके लिए अनवरत प्रयास किए जा रहे हैं। यह विस्तार इसी दिशा में बढ़ाया जा रहा कदम है। एलन मे अलीगढ़ और आस-पास के क्षेत्र की प्रतिभाओं को श्रेष्ठ शिक्षा के साथ श्रेष्ठ सुविधाएं उपलब्ध करवाएगा। इंजीनियरिंग व मेडिकल एजुकेशन के क्षेत्र में एलन ने सामाजिक बदलाव की कहानी लिखी है। चार दशकों के अध्ययन से ऐसा अकेडमिक सिस्टम तैयार किया है जो कि देश को सबसे अधिक डॉक्टर्स व इंजीनियर्स दे रहा है। एलन के वाइस प्रेसिडेंट डॉ. विपिन योगी ने कहा कि कहा कि यह शुरुआत घर के पास स्टूडेंट्स के सपने पूरे करने में सहायक होगी। उन्होंने अलीगढ़ वासियों से अपील की है कि वे शहर में बेहतर इकोसिस्टम विकसित करने में सहयोग करें। सामूहिक प्रयासों से शहर में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। एलन बेहतर शिक्षा देगा लेकिन यहां आने वाले स्टूडेंट्स को बेहतर एनवायरमेंट देने का काम शहरवासियों को करना होगा। इससे अलीगढ़ को एक बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर किया जा सकता है। अलीगढ़ में मैरिस रोड़ पर इनकम टैक्स ऑफिस के पास 271 में क्लास रूम कैम्पस का ऑफिस संचालित हो रहा है। जहां कक्षा जेईई-मेन, एडवांस्ड, नीट-यूजी के साथ कक्षा 6 से 10 तक के स्टूडेंट्स को बोर्ड, विभिन्न नेशनल व इंटरनेशनल ओलम्पियाड्स की तैयारी करवाई जाएगी। कक्षाएं 15 जनवरी से शुरू होंगी। इसके अलावा एलन अलीगढ़ में कक्षा 9 एवं 11 के लिए ए एम यू प्रवेश परीक्षा की तैयारी भी करवाई जाएगी। एलन कोटा में 20 वर्षों के अनुभव के साथ एलन अलीगढ़ मेंटर व फिजिक्स के अनुभवी फैकल्टी विकास सिंघल ने कहा कि हम कोटा जैसी एकेडमिक देने के लिए संकल्पित हैं और आने वाले समय में अलीगढ़ में पढ़कर ही बेहतरीन कॉलेजों में डॉक्टर्स और इंजीनियर बनाने का कार्य होगा।

13 हजार तक मासिक इंसेंटिव पाकर आशा बहनों ने पेश की मिसाल

अमर भास्कर, ब्यूरो

अलीगढ़। बेहतर कार्य के दम पर रुपया 10 हजार से अधिक का मासिक इंसेंटिव प्राप्त कर आशा कार्यकर्ताओं ने अपनी कार्यक्षमता और समर्पण की मिसाल पेश की है। जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिलाधिकारी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली चार आशा बहनों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इनकी उपलब्धियां अन्य आशा कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत बन सकती हैं। मासिक इंसेंटिव प्राप्त करने में सीएचसी अतरौली के ग्राम विधिपुर की सरला देवी रुपया 13,000 के साथ प्रथम स्थान पर रहीं। वहीं, सीएचसी इगलास के ग्राम नगला हीरा की दीपिका ने रुपया 12, 600, सीएचसी जवां के ग्राम समसपुर कोटा की रंजना ने रुपया 12,485 और सीएचसी चंडौस के ग्राम अंजना की नीलम देवी ने रुपया 10,675 का मासिक इंसेंटिव प्राप्त किया। इन सभी को बेहतर कार्य के लिए जिलाधिकारी द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने कहा कि आशा कार्यकर्ता स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे अपनी जिम्मेदारियों का बेहतर ढंग से निर्वहन कर न केवल मासिक इंसेंटिव के माध्यम से अपनी आय बढ़ा सकती हैं, बल्कि पात्र लाभार्थियों तक सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पहुंचाकर जनसेवा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।

पंचायत चुनाव पूर्ण कराए जाने का निर्णय सराहनीय

अमर भास्कर, ब्यूरो

अलीगढ़। अखिल भारतीय पंचायत परिषद के राष्ट्रीय कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ अशोक चौहान एवं राष्ट्रीय महासचिव ठाकुर गवेंद्र सिंह एडवोकेट ने अपने संयुक्त बयान में माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के द्वारा उत्तर प्रदेश के पंचायत चुनाव के संदर्भ में उत्तर प्रदेश सरकार एवं प्रदेश चुनाव आयोग को पंचायतो के चुनाव तीन माह के अंदर कराए जाने वाला निर्णय काफी सराहनीय है स देश में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव अगर हर 5 साल में होते हैं तो पंचायत के चुनाव में होने वाली देरी काफी दुर्भाग्यपूर्ण रही है। ऐसे में पंचायत चुनाव को जल्द से जल्द कराने के निर्णय के बाद पंचायत से जुड़े प्रतिनिधियों और पंचायत में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संघर्षरत ग्रामीण अंचल के नेताओं के लिए काफी ऊर्जा दायक है पंचायत के चुनाव ग्रामीण विकास की रीढ है और लोकतंत्र की प्रथम इकाई है पंचायत चुनाव समय पर होना संवैधानिक अधिकार है। पंचायती चुनाव के माध्यम से देश की राजनीति में अहम जगह बनाने के लिए कार्यरत सभी त्रिस्तरीय पंचायती राज के कार्यकर्ताओं को अखिल भारतीय पंचायत परिषद परिवार की तरफसे आगामी चुनाव के लिए दोनों ने हार्दिक शुभकामनाएं दी।

हरदुआगंज तापीय परियोजना का एश डैम बना अभिशाप

अमर भास्कर, ब्यूरो

अलीगढ़। कासिमपुर ब्लॉक जवां क्षेत्र के गांव नगोला में 3 साल से खेतों में लहरा रहा राख का पानी, नगोला गांव के किसान दाने-दाने को तरसे रहे हैं। गांव नगोला के किसान पूरी तरह भुखमरी की आहट से सहम गए है।

एक तरफ जहां हरदुआगंज तापीय परियोजना (कासिमपुर) से बिजली पैदा कर शहर और सूबे को रोशन किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ इसी पावर प्लांट का एश डैम (राख का बांध) और ड्रेनेज नाला आसपास के किसानों के जीवन में अंधेरा घोल रहा है। विद्युत गृह के एश डैम से लगातार हो रहे भीषण जल रिसाव व हवा के साथ एश डैम की उड़ने वाली राख से भयंकर प्रदूषण होता है (लीकेज) और ड्रेनेज नाले की बदहाली एवं प्लांट से जा रही पाइपलाइन के बार-बार फटने के कारण जल का रिशाव के कारण नगोला गांव में भूगर्भ जलस्तर खतरनाक रूप से ऊपर आ गया है। जिसके कारण ग्रामीण व किसानों का जिन दुभर हो गया है ताजा जानकारी के अनुसार अगर नगोला गांव की वाटर लेवल को चेक किया जाए तो गांव की वाटर लेवल एक से डेढ़ फीट पर है। इसके चलते गांव की हजारों बीघा अत्यंत उपजाऊ जमीन पिछले 3 सालों से पूरी तरह जलमग्न और दलदल में तब्दील हो चुकी है। नगोला गांव के किसानों का दर्द अब आंसुओं के रूप में छलक रहा है। पिछले 3 वर्षों से खेतों में 2 से 3 फीट तक राख मिला पानी जमा है। स्थिति यह है कि लगातार जलभराव रहने से जमीन की उर्वरक क्षमता भी पूरी तरह से नष्ट हो रही है और भूजल भी दूषित होता जा रहा है। नगोला गांव के किसानों का कहना है कि हमारे पास जमीन तो है, लेकिन हम बेघर और लाचार हैं। 3 साल से खेत में हल नहीं चला है। गांव की कुल 2000 बीघा जमीन जल भराव के कारण चौपट हो गई है।

किसानों पर बच्चों की फीस, घर का राशन और दवाइयों तक के पैसे नहीं हैं। गांव में भुखमरी की नौबत आ चुकी है। विजेंद्र सिंह राघव व राघवेंद्र सिंह राघव पीड़ित किसानो का कहना है कि नगोला गांव की तरफ से सैकड़ो बार प्रशासन, शासन व हरदुआगंज तापीय परियोजना के आला अधिकारियों को लिखित रूप में शिकायतें की गई है लेकिन अभी तक उन पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है हर बार बार आश्वासन व झूठ वायदे कर दिए जाते हैं कि जल्द ही जल भराव का निराकरण कर दिया जाएगा लेकिन शिकायतें कागजों में उलझ कर रह जाती हैं। जल भराव की इस जटिल समस्या के मद्देनजर जिम्मेदार अधिकारी अंजान बन रहे हैं। किसान लगातार एश डैम की लीकेज मरम्मत और ड्रेनेज नाले की सफाई को लेकर हरदुआगंज तापीय परियोजना के प्रशासन, तहसील प्रशासन और जिला प्रशासन के चक्कर काट रहे है। ज्ञापन दिए जा रहे है। गांव की वाटर लेवल ऊपर आने के कारण मलेरिया, डेंगू और टाइफाइड, टीवी जैसे भयानक रोगों से पूरा गांव चपेट में है लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन का झुनझुना थमा दिया गया। अधिकारियों की इस घोर अनदेखी और उपेक्षा के कारण आज स्थिति बेकाबू हो चुकी है। एश डैम में पानी का स्तर बढ़ने से नगोला गांव की समस्त जमीन की वाटर लेवल काफी ऊपर आ गई है जिस कारण जमीन में हुए बोरवेल अपने आप ही पानी ऊपर फेंक रहे हैं। जिससे न केवल फसलों को नुकसान हो रहा है बल्कि मकानों की नींव में भी सीलन और दरारें आने का खतरा मंडराने लगा है।

जैदी हेल्थ केयर एवं थेरेपी सेंटर का शुभारंभ

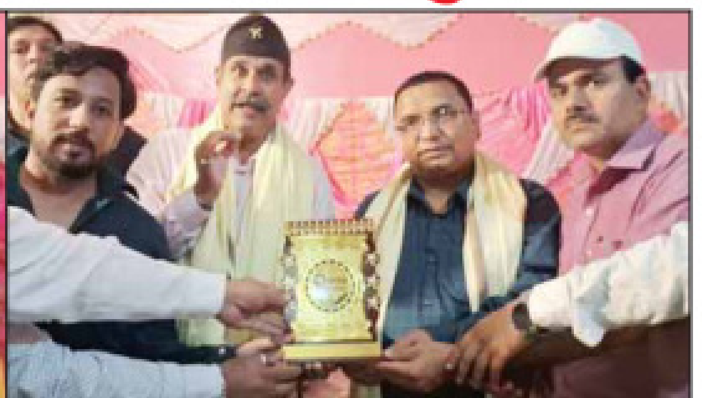

अमर भास्कर ब्यूरो

स्योहारा/बिजनौर। स्योहारा मे जैदी हेल्थकेयर एवं थेरेपी सेंटर का उत्साह पूर्वक भव्य शुभारंभ किया गया और नसों एवं दर्द से पीड़ित मरीजों के लिए एक दिवसीय एक्युपंचर चिकित्सा शिविर का आयोजन भी किया गया एक्यूपंक्चर चिकित्सा शिविर में दिल्ली के जाने-माने एक्यूपंक्चर एवं समग्र स्वास्थ से जुड़े विशेषज्ञ चिकित्सको ने आकर संबंधित बीमारियों के रोगियो का परीक्षण कर उपचार किया जिससे चिकित्सा शिविर में आये अनेको मरीजो ने लाभ पाया इस पूरे कार्यक्रम केआयोजक गण डॉक्टर मन्नान जैदी व वरिष्ठ पत्रकार उस्मान जैदी रहे ।

एक मंच पर जुटे एक्युपंचर एवं समग्र स्वास्थ्य से जुड़े दिल्ली के विशेषज्ञ, दिया मरीजो को लाभ

कार्यक्रम में दिल्ली से पधारे विशिष्ट अतिथि डॉ. भरत भूषण शर्मा ने डॉ. खेही सहित अन्य सम्मानित व्यक्तियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. खेही के सामाजिक सरोकारों, जनहित में किए जा रहे कार्यों तथा आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की गई। डॉ. बी.के. खेही स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों एवं जनकल्याण के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनके सम्मानित होने से स्वास्थ्य विभाग एवं क्षेत्र में हर्ष का माहौल रहा। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने इसे जनसेवा के प्रति समर्पण और समाजहित में किए जा रहे कार्यों का सम्मान बताया।इस दौरान सीएचसी स्योहारा के फार्मासिस्ट प्रदीप रावत जी को भी उनकी सेवाओं के लिए विशिष्ट अतिथि श्री भरत भूषण शर्मा जी द्वारा शॉल उढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस दौरान नगर के वरिष्ठ चिकित्सक और समाजसेवी डॉ मनोज वर्मा और डॉ. कालरा की सराहनीय उपस्थित रही। कार्यक्रम मे लोगों ने आकर निःशुल्क परामर्श लिया। इस दौरान श्रीमती सुषमा शर्मा, महेंद्र गणपति, राजेंद्र चौहान, योगेश चौहान, हिमांशु कुमार, राहुल बंसल, अशोक बजाज के साथ साथ स्योहारा नगर से दैनिक अमर भास्कर अखबार के प्रभारी वरिष्ठ नादिर त्यागी, समाजसेवी असद चौधरी एवं तमाम सम्मानित नागरिकों ओर पत्रकारों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्राली से बाइक की जोरदार टक्कर, बाइक सवार युवक की मौके पर मौत

अमर भास्कर ब्यूरो

नगीना। सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्राली से बाइक की जोरदार टक्कर लगने से बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां से उनकी हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बिजनौर रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया तथा गांव का माहौल गमगीन हो गया।

जानकारी के अनुसार बीती रात नगीना अकबराबाद मार्ग पर स्थित ग्राम अलीपुरा जट के पास सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्राली से बाइक टकरा गई टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार रिहान की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई तथा उसके साथी आरिफ और कलीम गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मृतक केशव को कब्जे में लेकर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बिजनौर रेफर कर दिया। पुलिस के अनुसार एक बाइक पर तीनों युवक सवार होकर अपने गांव से दूसरे गांव जा रहे थे। अंधेरा ज्यादा होने के कारण वह सड़क किनारे खड़ी ट्रैक्टर ट्राली को नहीं देख पाए जिससे टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए।

नगीना विधानसभा में गूंज रहा विकास और सुशासन का संदेशः अनूप बाल्मीकि

अमर भास्कर ब्यूरो

नगीना। विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व क्षेत्रीय मंत्री अनूप बाल्मीकि गांव-गांव जाकर जनता के बीच भारतीय जनता पार्टी की जनकल्याणकारी योजनाओं, योगी-मोदी सरकार के सुशासन और देश-प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी साझा कर रहे हैं। साथ ही, वे जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनके समाधान के लिए भी निरंतर प्रयासरत हैं। जनता के बीच उनकी सक्रियता, जनसेवा के प्रति समर्पण और बढ़ते जनसंपर्क को लेकर राजनीतिक माहौल में हलचल तेज है। विपक्ष की बेचैनी के बीच नगीना में भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिशें लगातार जारी हैं।

सड़क पर सावधानी ही सुरक्षा की गारंटी, यातायात नियमों का पालन कर बचाएं अनमोल जिंदगी : शेख फिरोज

एक्टिव जर्नलिस्ट एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष शेख फिरोज ने यातायात के नियमों का पालन करने के लिए चलाया जागरूकता अभियान

अमर भास्कर ब्यूरो

नगीना। सड़क पर बरती गई थोड़ी-सी सावधानी किसी परिवार की खुशियां उजड़ने से बचा सकती है, जबकि चंद सेकेंड की लापरवाही जिंदगी भर का दर्द दे सकती है। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को रोकने के लिए यातायात नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है।

इसी को लेकर एक्टिव जर्नलिस्ट एसोसिएशन के मुरादाबाद मंडल अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार शेख फिरोज ने जिलेवासियों से भावुक अपील करते हुए कहा कि सड़क सुरक्षा केवल कानून का विषय नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी है। शेख फिरोज ने कहा कि यातायात नियमों का उद्देश्य केवल चालान से बचाना नहीं, बल्कि वाहन चालकों और उनके परिवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हर व्यक्ति को यह याद रखना चाहिए कि घर पर कोई उसका इंतजार कर रहा है। इसलिए जल्दबाजी में वाहन चलाने के बजाय सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंचने को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चलाते समय चालक के साथ पीछे बैठने वाले व्यक्ति को भी हेलमेट पहनना चाहिए। इसी तरह कार में चालक सहित सभी यात्रियों को सीट बेल्ट का इस्तेमाल करना चाहिए। थोड़ी दूरी तय करने के लिए भी सुरक्षा नियमों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए, क्योंकि दुर्घटना कभी भी और कहीं भी हो सकती है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाएं। ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन पर बात करना, संदेश पढ़ना या वीडियो देखना दुर्घटना का कारण बन सकता है। शराब अथवा अन्य नशीले पदार्थों के प्रभाव में वाहन चलाना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि दूसरे लोगों की जिंदगी को भी खतरे में डालता है। शेख फिरोज ने अभिभावकों से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे लाड़-प्यार या शौक के चलते नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने के लिए न दें। बच्चों को छोटी उम्र से ही यातायात नियमों, ट्रैफिक सिग्नल, जेब्रा क्रॉसिंग और सड़क पर सुरक्षित चलने के तरीकों की जानकारी दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन द्वारा की जाने वाली कार्रवाई का उद्देश्य लोगों को परेशान करना नहीं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना और नागरिकों की सुरक्षा करना है। सड़क दुर्घटना के बाद कई बार लोग घायलों की मदद करने के बजाय मोबाइल से फोटो और वीडियो बनाने में जुट जाते हैं। इस पर चिंता जताते हुए एक्टिव ज र्न लि स्ट एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष शेख फिरोज ने कहा कि दुर्घटनास्थल पर तमाशबीन बनने के बजाय घायलों की मदद के लिए आगे आना चाहिए। हादसे के तुरंत बाद एंबुलेंस सेवा 108 अथवा आपातकालीन नंबर 112 पर सूचना दें और सुरक्षित तरीके से घायलों को चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में सहयोग करें।

जनपद में बदला मौसम का मिजाज, अक्टूबर बीच में ही सर्दी की दस्तक

अमर भास्कर ब्यूरो

बिजनौर। जनपद बिजनौर में माह अक्टूबर का आधा महीना बीतने के साथ ही क्षेत्र में सर्दी की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। गुरुवार को सुबह से आसमान में घने बादल छाए रहने और ठंडी हवाओं के चलते नागरिकों को सर्दी का एहसास होने लगा। मौसम में आए बदलाव को देखते हुए कुछ लोगों ने अभी से गर्म कपड़े निकालने शुरू कर दिए हैं। पिछले दिनों हुई बारिश के बाद से ही मौसम के मिजाज में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। कभी तेज धूप के कारण गर्मी महसूस होती है, तो कभी ठंडी हवाएं सर्दी का अहसास कराने लगती हैं। बुधवार को दिन में चटक धूप निकलने से लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ा, लेकिन आधी रात के बाद मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। मौसम में ठंड बढ़ने के कारण लोगों को अपने कमरों की ऐसी, कूलर और पंखों को बंद करना पड़ गया। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के बीच अब सुबह-शाम और रात के समय ठंड का प्रभाव महसूस होने लगा है। दिन और रात के तापमान में बदलाव के चलते लोगों को मौसम के दोनों रूप देखने को मिल रहे हैं। हालांकि गुरुवार को सुबह से ही आसमान पर घने काले बादल छाए हुए हैं। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि इस वर्ष सर्दी अधिक पड़ने की संभावना है। हालांकि, आगामी दिनों में ठंड का असर कितना बढ़ेगा, यह तो मौसम की परिस्थितियों पर ही निर्भर करेगा। फिलहाल अक्टूबर के मध्य में ही बदलते मौसम ने लोगों को सर्दी के आगमन का एहसास कराना शुरू कर दिया है। वहीं बदलते मौसम के मद्देनजर हाइवे पर भी वाहनों की आवाजाही कम देखी गई।

धूमधाम और हर्षोल्लास से निकली राम बारात, अनेक स्थानों पर स्वागत

स्योहारा(अमर भास्कर ब्यूरो)। गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी स्योहरा बहुत ही धूमधाम और उत्साह पूर्वक राम बारात निकाली गई! नगर के रामलीला मैदान में रामलीला का आयोजन किया जा रहा है नियम अनुसार आज राम बारात का आयोजन किया गया इसमें नगर के अनेक लोगों ने भाग लिया रामलीला मैदान में रामलीला मंच पर भगवान श्री रामचंद्र जी का तिलक किया गया उसके पश्चात नगर के आए सामाजिक लोगों का रामलीला कमेटी ने पटका पहनाकर स्वागत किया। राम बारात रामलीला मैदान से आरसीपी रोड होते हुए रियासत में पहुंची जहां कुंवर पृथ्वीराज की में राम बारात का स्वागत किया गया इसके बाद सब्जी मंडी शिवाजी मार्केट में अरुण कुमार वर्मा जी व संजय जैन साहब ने स्टेशन रोड पर डॉक्टर मनोज वर्मा जी ने चौराहे पर एवं चौराहे पर राजपाल सिंह प्रजापति ने स्वागत किया इसके राम बारात का जुलूस मुरादाबाद रोड से होते हुए रामलीला मैदान में पहुंचा वहाँ पर श्री राम बारात का समापन हुआ आयोजन में भाजपा के मंडल अध्यक्ष नीरज सिंह राणा पीयूष रस्तोगी, श्वेत रस्तोगी, अश्वनी बिश्नोई, डॉक्टर यज्ञदत्त गौड़, जगदीश कुमार रामलीला कमेटी के अध्यक्ष राजवीर सिंह त्यागी, अमर सिंह वर्मा, सुनील कुमार शर्मा, महेंद्र कुमार शर्मा, पप्पू पंडित जी, राम बारात का संचालन राजपाल सिंह प्रजापति ने किया। श्री राम बारात कार्यक्रम में स्योहारा पुलिस प्रशासन नवागत थाना अध्यक्ष प्रवेज कुमार के नेतृत्व में कानून व्यवस्था बनाए हुए मौजूद रहा।

नेत्र शिविर में 220 मरीजों की जांच, आठ लोगों ने लिया नेत्रदान का संकल्प

धामपुर(अमर भास्कर ब्यूरो)। रोटरी क्लब धामपुर इंडस्ट्रियल एरिया की ओर से पंजाबी कॉलोनी स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा में एक दिवसीय निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 220 नेत्र रोगियों की जांच कर उन्हें दवाइयां और चश्मे वितरित किए गए। वहीं, नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित विचार गोष्ठी से प्रेरित होकर आठ लोगों ने नेत्रदान के संकल्प पत्र भरे। शिविर में धामपुर नगर के साथ ही आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए नेत्र लोग ने अपनी आंखों की जांच करवाई। विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं जांच टीम मरीजों की आंखों का परीक्षण किया और उन्हें आवश्यक परामर्श दिया। शिविर के दौरान नेत्रदान के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की गई। वरिष्ठ रोटेरियन एसपी सलूजा ने कहा कि नेत्रदान किसी दृष्टिहीन व्यक्ति के जीवन में रोशनी लाने का माध्यम बन सकता है, इसलिए लोगों को नेत्रदान के प्रति जागरूक होकर इस पुनीत कार्य में भागीदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में रोटरी मंडल 3100 के असिस्टेंट गवर्नर मनीष गर्ग, वरिष्ठ रोटेरियन शिवेंद्र अग्रवाल, रोटरी क्लब इंडस्ट्रियल एरिया के अध्यक्ष सरदार गगनदीप सिंह चावला, सचिव सरदार गुरदीप सिंह चावला रोमी, कोषाध्यक्ष रोटरी बलर बाजार इंडस्ट्रियल एरिया सत्येंद्र चौधरी, गुरुद्वारा प्रबंध समिति के अध्यक्ष सरदार अमरजीत सिंह एडवोकेट, सचिव सरदार गुरु चरण सिंह चावला, हिंदू युवा वाहिनी के मुरादाबाद मंडल प्रभारी डॉ. एनपी सिंह आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर सीएल गुप्ता आई इंस्टीट्यूट, रामगंगा विहार, मुरादाबाद के सेक्रेटरी सरदार गुरविंदर सिंह, सीनियर आई बैंक टेक्नीशियन दीपक कुमार, आईट्रीज मैनेजर रवि श्रीवास्तव सहित संस्थान के अन्य चिकित्सक, नेत्र परीक्षक आदि मौजूद रहे।

आठ लोगों ने भरे नेत्रदान संकल्प पत्र

नेत्रदान के प्रति जागरूकता अभियान से प्रेरित होकर नगर के आठ लोगों ने नेत्रदान संकल्प पत्र भरे। इनमें सनातन धर्म सभा शिव मंदिर, पंजाबी कॉलोनी के उपाध्यक्ष सुरेश कुमार छाबड़ा, पत्रकार भूपेंद्र कुमार, रोटरी क्लब इंडस्ट्रियल एरिया के अध्यक्ष सरदार गगनदीप सिंह चावला, पर्यावरण प्रहरी पराग गुप्ता, गुप्ता, एनजीओ कार्यकर्ता अरशद अजीम, आयशा अजीम, बशर अजीम व हिना अजीम आदि शामिल रहे। संकल्प लेने वाले नागरिकों ने रोटरी क्लब के नेत्रदान अभियान को अपने स्तर से भी जन-जन तक पहुंचाने तथा अधिक से अधिक लोगों को नेत्रदान के लिए प्रेरित करने की घोषणा की। संकल्प पत्र भरने वाले लोगों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया गया।

मिशन शक्ति के तहत आर्य सुगंध संस्थान में महिलाओं को साड़ी और बच्चों को फल-मिठाई वितरित

बिजनौर(अमर भास्कर ब्यूरो)। मिशन शक्ति के अंतर्गत आज आर्य सुगंध संस्थान में एसडीएम साहब तहसीलदार साहब नायब तहसीलदार साहब डीपीओ रूबी गुप्ता विजय सिरोही चाइल्डलाइन डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर हिमांशु संस्थान में पहुंचे संस्थान की बुजुर्ग सभी महिलाओं को साड़ियां प्रदान की फल प्रदान किए गए। अनाथ दिव्यांग सभी बच्चों को फल पटाखे मिठाइयां वितरित की अवसर पर संस्थान प्रबंधन का कमलेश आर्य जी ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया संस्थान के बच्चों ने अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया और जाते समय अपने हाथ के लगाए पौधे गिफ्ट किया और हाथ से गाय के गोबर से तैयार दीपक उपहार स्वरूप दिए।

उत्तम शुगर मिल के शुभारंभ का हुआ आगाज, किया बॉयलर पूजन

अमर भास्कर ब्यूरो

नांगल सोती। ससाथ उत्तम शुगर मिल बरकतपुर के शुभारम्भ का आगाज हुआ इस मौके पर मिल के अनेक अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

मिल के ब्वायलर पूजन कार्यक्रम में मुख्य यजमान नरपत सिंह-संयुक्त अध्यक्ष ने पंडित राजेन्द्र प्रसाद द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन कर अग्नि प्रवेश कराया गया।इस अवसर पर मिल के जे.पी. त्रिपाठी-उपाध्यक्ष आसवनी इकाई, अतेन्द्र शर्मा-मुख्य महाप्रबन्धक अभियन्ता, विकास पुण्डीर-महाप्रबन्धक गन्ना, अनिल शर्मा-महाप्रबन्धक विद्युत, कुलदीप सिंह अपर महाप्रबन्धक गन्ना, यशपाल सिंह उप महाप्रबन्धक ब्वायलर अखिलेश गुप्ता सहा. महाप्रबन्धक लेखा, अर्जुन कौशिक सहा. महाप्रबन्धक एच. आर. चांदवीर सिंह वरि. प्रबन्धक ग.वि., डा. यशवीर सिंह अपर प्रबन्धक प्रशासन, विनित शर्मा उप प्रबन्धक एच. आर. एवं कर्मचारी गण मौजूद रहे तथा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना करायी मुख्य महाप्रबन्धक अभियन्ता अतेन्द्र शर्मा ने निर्विघ्न संचालन एवं आगामी पेराई सत्र के सुचारू रूप से संचालन हेतु ईश्वर से प्रार्थना के साथ सभी से सहयोग का अनुरोध किया। महाप्रबन्धक गन्नाविकास पुण्डीर द्वारा किसानों से अपील की गयी कि विगत रविवार को आये तेज तूफान में काफी अधिक गन्ना गिर गया था आज भी तेज हवा के साथ बारिश हुई है जिससे खेतो में पुनःनमी बन गयी है इस स्थिति में भी उठने लायक गन्ने को बांधकर नुकसान होने से बचाये।इसके साथ ही अनुरोध किया कि विगत वर्षो की भांति आगामी पेराई सत्र में भी अपनी चीनी मिल को ताजा, साफ-सुथरा, एवं जड व पत्ती रहित गन्ना आपूर्ति कर अपना और इकाई दोनों का हित संरक्षित रखे। संयुक्त अध्यक्ष नरपत सिंह ने सभी क्षेत्रवासियों को मिल के नवम्बर 2026 में संचालित होने हेतु अग्रिम बधाई दी तथा किसान भाईयों से अनुरोध किया कि वह अपना गन्ना कोल्हू केशर पर बेचकर आर्थिक हानि न उठाए तथा अपना बेसिक कोटा बनाने हेतु समस्त गन्ना मिल में ही आपूर्ति करे। वहीं इन्होने बताया कि श्रष्ठ विधि के साथ गेहू के साथ गन्ना लगाकर दोगुना लाभ पायें इसके लिये वह अपने सुपरवाईजर से और फिल्ड अधिकारी से सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त करे। चीनी मिल क्षेत्र में नई प्रजाति 15023 एवं सी0ओ0118 की बुवाई अधिक से अधिक रकबे में करनी चाहिये तथा सी. ओ.02.38 के बदलाव हेतु सीओ 15023 एवं अन्य बीज की मात्रा अपने मिल स्टाफ को नोट कराये ताकि बीज बदलाव हेतु बीज की व्यवस्था ससमय की जा सके।

एक नवंबर को किया जाएगा पेराई सत्र शुरूः नरपत सिंह

मथुरा में संगठनात्मक बैठक में बनी रणनीति

अमर भास्कर, ब्यूरो

मथुरा। शिक्षक एवं स्नातक विधान परिषद निर्वाचन-2026 को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपनी संगठनात्मक गतिविधियों को गति देना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में पुष्पांजलि स्थित भाजपा कार्यालय, मथुरा में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले चुनाव की तैयारियों को लेकर व्यापक मंथन किया गया। बैठक में संगठन को बूथ स्तर से जिला स्तर तक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय करने तथा चुनावी गतिविधियों में बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। बैठक का शुभारंभ भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं ब्रज क्षेत्र प्रभारी श्रीमती गीता शाक्य,

ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष पूरन सिंह लोधी तथा उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव महानगर प्रभारी पवन शर्मा जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव जिला अध्यक्ष निर्भय पांडे संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। बैठक में उपस्थित वरिष्ठ नेताओं ने संगठनात्मक मजबूती और चुनावी तैयारियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रदेश महामंत्री एवं ब्रज क्षेत्र प्रभारी गीता शाक्य ने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए सक्रियता के साथ संगठनात्मक दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। उन्होंने आपसी समन्वय, कार्यकर्ताओं की सहभागिता और योजनाबद्ध तरीके से चुनावी गतिविधियों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया। ब्रज क्षेत्र अध्यक्ष पूरन सिंह लोधी ने बूथ स्तर तक संगठन की सक्रियता सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत बनाने और प्रत्येक स्तर पर कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने पर बल दिया। उत्तर प्रदेश सरकार के सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने चुनावी तैयारियों को व्यवस्थित एवं योजनाबद्ध तरीके से संचालित करने पर जोर दिया।

जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी ने कार्यकर्ताओं से अनुशासन और समन्वय के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आह्वान किया। महानगर अध्यक्ष हरिशंकर राजू यादव ने संगठनात्मक एकजुटता को महत्वपूर्ण बताते हुए कार्यकर्ताओं से आगामी चुनाव के मद्देनजर पूरी तत्परता के साथ जुटने की अपील की। बैठक में बृज क्षेत्र उपाध्यक्ष नेत्रपाल सिंह विधायक ठा.मेघ श्याम विधायक पूरन प्रकाश विधान परिषद परिषद सदस्य ठाकुर ओम प्रकाश सिंह पूर्व ऊर्जा मंत्री रविकांत गर्ग जिला मीडिया प्रभारी श्याम शर्मा विनीत शर्मा नितिन शर्मा सत्यपाल चौधरी अनिल चौधरी दीपक गोला यशपाल सिंह सहित जनपद मथुरा के प्रमुख पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

देश का वास्तविक भविष्य युवा पीढ़ी के हाथों में है: महेश पाठक

अमर भास्कर, ब्यूरो

मथुरा। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के तत्वावधान में गुरुवार दोपहर डेंपियर नगर स्थित पांचजन्य प्रेक्षागृह में प्रारंभ 26 नई पीढ़ी नई सोच छात्र संवाद कार्यक्रम का सफल आयोजन संपन्न हुआ। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं उद्योगपति राजन पाठक के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जनपद भर से सैकड़ों छात्र-छात्राओं और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे वरिष्ठ उद्योगपति एवं कांग्रेस नेता महेश पाठक ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि देश का वास्तविक भविष्य युवा पीढ़ी के

हाथों में है। जब युवा सकारात्मक सोच और नवाचार के साथ आगे बढ़ते हैं, तभी समाज और राष्ट्र का सर्वांगीण विकास संभव होता है। उन्होंने शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारियों में भी अग्रणी भूमिका निभाने की प्रेरणा दी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डीयूएसयू) की पूर्व सचिव एवं एनएसयूआई की पूर्व महासचिव करिश्मा ठाकुर ने लोकतांत्रिक व्यवस्था और छात्र राजनीति में युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि छात्र शक्ति को अपने अधिकारों, बेहतर शिक्षा व्यवस्था और रोजगार के लिए संगठित होकर मुखर होना होगा। मध्य प्रदेश के पूर्व विधायक एवं वरिष्ठ छात्र नेता कुणाल चौधरी ने युवाओं में वैचारिक स्पष्टता और सामाजिक चेतना का आह्वान करते हुए कहा कि युवा शक्ति ही देश की दिशा और दशा तय करती है। जिला कांग्रेस कमेटी मथुरा के अध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि संगठन युवाओं के संघर्ष, रोजगार और शिक्षा के अधिकारों के लिए हमेशा उनके साथ मजबूती से खड़ा है। कार्यक्रम नेतृत्वकर्ता राजन पाठक ने कहा कि प्रारंभ 26 का मुख्य उद्देश्य मथुरा के छात्रों और नौजवानों को एक ऐसा सशक्त मंच देना है, जहां वे अपनी समस्याओं, करियर की चुनौतियों और नवाचारी विचारों को बेबाकी से रख सकें। उन्होंने युवाओं के हक और आवाज को हर स्तर पर पूरी ताकत से उठाने का विश्वास दिलाया। कार्यक्रम के दौरान खुला संवाद सत्र आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों ने उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं, लाइब्रेरी सुविधाओं और रोजगार के अवसरों से जुड़े सीधे सवाल पूछे। वक्ताओं ने छात्रों की जिज्ञासाओं का समाधान किया और उन्हें अपने लक्ष्यों के प्रति केंद्रित रहने के लिए प्रेरित किया।

इस आयोजन की मुख्य सहभागिता में एनएसयूआई मथुरा के जिलाध्यक्ष हर्ष चौरसिया, पूर्व जिलाध्यक्ष हरीश पचौरी, तथा युवा कांग्रेस एवं एनएसयूआई के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रवीण ठाकुर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए छात्र शक्ति को एकजुट करने का संकल्प दोहराया।

सार-संक्षेप

उत्तर कोरिया ने दागीं दो क्रूज मिसाइलें समुद्र में किया परीक्षण

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने में लगातार जुटा है। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ लंबे समय से बातचीत बंद होने के बीच उसने पनडुब्बी से दागी जाने वाली क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया के मुताबिक, बुधवार को देश के पूर्वी समुद्री क्षेत्र में दो तरह की मिसाइलों का परीक्षण किया गया। इन हथियारों को रणनीतिक बताया गया है, जिससे संकेत मिलता है कि इन्हें परमाणु हथियार ले जाने के लिए तैयार किया जा सकता है। हालांकि, यह साफनहीं किया गया कि मिसाइलें किसी वास्तविक पनडुब्बी से दागी गईं या पानी के भीतर मौजूद किसी परीक्षण मंच से। उत्तर कोरियाई मीडिया ने बताया कि इन परीक्षणों का मकसद समुद्र के भीतर इस्तेमाल होने वाली सैन्य प्रणालियों की तैयारी परखना, नौसेना की रणनीतिक क्षमता बढ़ाना और देश की परमाणु ताकत की विश्वसनीयता साबित करना था। दक्षिण कोरिया की सेना की ओर से परीक्षणों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। उत्तर कोरिया हाल के दिनों में लगातार अपने हथियारों का प्रदर्शन कर रहा है। इससे पहले 20 सितंबर और 3 अक्टूबर को उसने अलग-अलग हाइपरसोनिक मिसाइल प्रणालियों का परीक्षण किया था। उत्तर कोरिया का दावा था कि इन हथियारों को दक्षिण कोरिया और जापान की मिसाइल रक्षा प्रणालियों को भेदने की क्षमता बढ़ाने के लिए विकसित किया जा रहा है। ताजा परीक्षण इसी सिलसिले की अगली कड़ी माना जा रहा है। उत्तर कोरिया ने हाल के हफ्तों में लाइव-फायर सैन्य अभ्यास भी किए हैं और एक नए युद्धपोत को नौसेना में शामिल किया है। इन गतिविधियों के जरिए नेता किम जोंग उन लगातार देश के परमाणु और सैन्य कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का संदेश दे रहे हैं। दूसरी ओर, उन्होंने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ बातचीत दोबारा शुरू करने के प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया है। किम जोंग उन ने बीते कुछ वर्षों में दक्षिण कोरिया के साथ बातचीत और सहयोग पूरी तरह रोक दिया है। वह दक्षिण कोरिया को स्थायी दुश्मन भी बता चुके हैं। अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता भी लंबे समय से ठप है। साल 2019 में बातचीत टूटने के बाद किम ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वार्ता बहाल करने की अपीलों को अब तक ठुकराया है। उत्तर कोरिया चाहता है कि अमेरिका उसके प्रति कथित शत्रुतापूर्ण नीति छोड़े और बातचीत की शर्त के तौर पर परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग बंद करे। ऐसे में नए मिसाइल परीक्षण क्षेत्र में तनाव बढ़ा सकते हैं।

सहकारिता मंत्री ने की रबी अभियान की समीक्षा

अमर भास्कर, ब्यूरो

मथुरा। उत्तर प्रदेश के सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने गुरुवार जनपद मथुरा का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागीय योजनाओं, धान खरीद क्रय केंद्रों की तैयारियों, पैक्स समितियों के जीर्णोद्धार (सेवा संकल्प अभियान) और उर्वरक उपलब्धता की उच्च-स्तरीय समीक्षा की। स्वागत समारोह के दौरान आदित्य कुमार दुबे (अपर आयुक्त एवं अपर निबंधक, सहकारिता, आगरा मंडल) ने मंत्रीजी को सांझी कला की कृति भेंटकर उनका स्वागत किया। समीक्षा के दौरान जनपद में फास्फेट की रैक उपलब्ध कराने के अनुरोध पर मंत्री जी ने उच्च अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए अवगत कराया कि शीघ्र ही फास्फेटिक की रैक प्राप्त होने वाली है, जिससे किसानों को प्रचुर मात्रा में उर्वरक मिलेगा। समितियों पर यूरिया और फास्फेटिक उर्वरक की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा किसानों को उनकी जोत के आधार पर मानक संस्तुत मात्रा में वितरण करने के कड़े निर्देश दिए गए। अपर आयुक्त आदित्य कुमार दुबे ने मंडल के सभी जनपदों की सहकारी समितियों और उर्वरक बिक्री केंद्रों पर रबी-अभियान के तहत सभी प्रकार के उर्वरक प्रचुर मात्रा में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत धान खरीद क्रय केंद्रों की तैयारियों और उनके क्रियाशील होने की स्थिति का भी जायजा लिया गया। समीक्षा बैठक में आदित्य कुमार दुबे (अपर आयुक्त एवं अपर निबंधक, सहकारिता, आगरा मंडल), अभिषेक कुमार मिश्र (सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक, सहकारिता, मथुरा), दमन लाल शर्मा (सचिवध्मुख्य कार्यपालक अधिकारी), सचिन बंसल अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने फल मंडियों का किया निरीक्षण

अमर भास्कर, ब्यूरो

मथुरा। नवरात्रि पर्व के मद्देनजर आम जनता और श्रद्धालुओं को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य और पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ और जिलाधिकारी के आदेशों के अनुपालन में एक विशेष अभियान चलाया गया।

यह कार्रवाई डा० जतिन कुमार सिंह के निर्देशन और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के०के० त्रिपाठी के नेतृत्व में खाद्य सचलदल द्वारा की गई। टीम ने जनपद मथुरा में संचालित विभिन्न फल मंडियों और केला पकाने वाले प्रमुख प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इस

दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि कहीं भी प्रतिबंधित रसायन कैल्शियम कार्बाइड का उपयोग फलों को पकाने के लिए तो नहीं किया जा रहा है। टीम ने वी के बनाना ट्रेडर्स, गोवर्धन रोड, जीतू केला प्लांट, इंडस्ट्रियल एरिया, मां कैला देवी राइपनिंग चौंबर, कोसीकलां, वी एस बनाना प्रोसेसिंग, छाता, श्री राम एस के केला स्टोर, नौहझील, कपिल फरूट्स ट्रेडर्स प्रमुख प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान किसी भी फल पकाने वाले प्रतिष्ठान या चौंबर में प्रतिबंधित रसायनों का प्रयोग होते हुए नहीं पाया गया। गुणवत्ता की जांच के लिए टीम ने कुल 3 नमूने संग्रहित कर राजकीय खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किए गए है। जिसमें सरसों का तेल 1 नमूना (मंडी से), कुट्टू का आटा 2 नमूने (राया से) जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत नियमों के तहत संबंधित के विरुद्ध अग्रतर कार्रवाई की जाएगी। मंडी चौराहे पर खाद्य सचल प्रयोगशाला वाहन के माध्यम से आम जनमानस और खाद्य कारोबारकर्ताओं को जागरूक किया गया। इस दौरान खाद्य पदार्थों में होने वाली मिलावट और उनकी घरेलू स्तर पर जांच करने के तरीकों की जानकारी दी गई। इस खाद्य सचलदल टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मोहर सिंह कुशवाह, दिनेश कुमार भारती, राम नरेश और धर्मेन्द्र सिंह प्रमुख रूप से शामिल रहे।

शिवम ने चंडीगढ़ में जीता सिल्वर मेडल

अमर भास्कर, ब्यूरो

मथुरा। संस्कृति यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफमैनेजमेंट के द्वितीय वर्ष के एमबीए छात्र शिवम ने चंडीगढ़ में आयोजित प्रतिष्ठित बॉडीबिल्डिंग एंड फिजिक चौंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए क्लासिक फिजिक कैटेगरी में सिल्वर मेडल (रजत पदक) अपने नाम किया है। इस राष्ट्रीय स्तर के मंच पर शिवम की इस बड़ी उपलब्धि से न केवल विश्वविद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है।

चंडीगढ़ में आयोजित इस प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों और विख्यात संस्थानों से आए शीर्ष बॉडीबिल्डर्स और एथलीटों ने हिस्सा लिया था। चौंपियनशिप में कड़े मुकाबले और कड़े मानकों के बीच, शिवम ने अपनी बेहतरीन मस्कुलरिटी, सिमेट्री और क्लासिक पोजिंग से जजों को बेहद प्रभावित किया। उनके इसी शानदार प्रदर्शन और लाजवाब बॉडी कंडीशनिंग के चलते उन्हें क्लासिक फिजिक वर्ग में दूसरा (सिल्वर) स्थान हासिल हुआ। शिवम को यह सफलता रातों-रात नहीं मिली है। उसने बताया कि पढ़ाई के व्यस्त शेड्यूल के बीच उन्होंने अपने इस पैशन को जिंदा रखा। वह विश्वविद्यालय के अत्याधुनिक इन-हाउस मल्टी-जिम में नियमित रूप से अपनी फिटनेस और स्ट्रेंथ ट्रेनिंग को समय देते रहे हैं। कड़ी डाइट, अटूट अनुशासन और दैनिक कड़े परिश्रम (डेली ग्राइंड) के बल पर उन्होंने आज इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के पोडियम पर अपनी जगह सुनिश्चित की। इस ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण पल पर संस्कृति यूनिवर्सिटी के शीर्ष प्रबंधन, कुलाधिपति डा.सचिन गुप्ता, कुलपति प्रो.एमबी चेट्टी और स्कूल ऑफमैनेजमेंट के सभी शिक्षकों ने शिवम को इस शानदार जीत की बधाई दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि शिवम ने यह साबित कर दिया है कि अगर दृढ़ संकल्प हो, तो छात्र शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी देश के उच्चतम शिखर तक पहुंच सकते हैं।

50 हजार की फिरौती मांगने वाले दो बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

अमर भास्कर, ब्यूरो

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद के राया थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ थार सवार बदमाशों ने एक हार्डवेयर व्यापारी के बेटे का अपहरण कर 50 हजार रुपये की फिरौती मांगी। पुलिस ने 24 घंटे के अंतराल में त्वरित कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ के बाद दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। मुठभेड़ के दौरान जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह जानकारी गुरुवार दोपहर सीओ अनिल कुमार सिंह ने दी है। गौरतलब हो कि कस्बा राया निवासी हार्डवेयर व्यापारी अजय अग्रवाल का बेटा योग्य अग्रवाल बुधवार दोपहर करीब 1 बजे घर से अपने पिता को खाना देने के लिए दुकान जा रहा था। रास्ते में थार सवार दो बदमाशों ने उसका जबरन अपहरण कर लिया और गाड़ी में डालकर ले गए। बदमाशों ने योग्य का फोन बंद कर उसी के नंबर से उसके पिता अजय अग्रवाल को व्हाट्सएप कॉल कर 50 हजार रुपये की फिरौती की मांग की। बुधवार शाम को घटना की सूचना मिलते ही राया पुलिस

हरकत में आ गई और पूरे जनपद में नाकाबंदी कर चेकिंग शुरू कर दी। बुधवार की रात पुलिस की सख्त चेकिंग से घबराकर बदमाश व्यापारी के पुत्र योग्य अग्रवाल को गाँव अड्डा कारब के समीप छोड़ कर गोवर्धन के रास्ते मगोर्रा क्षेत्र की तरफभागने लगे। पुलिस ने पीछा करते हुए उन्हें लालपुर नहर के पास घेर लिया। थाना मगोर्रा क्षेत्र के अंतर्गत मथुरा-सौंख मार्ग पर हुई मुठभेड़ के दौरान बदमाशों ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में रजत निवासी नगला टोंटा, थाना मुरसान, हाथरस, मनीष निवासी अल्लेपुर, थाना जमुनापार के पैरों में गोली लगी, जिससे वे घायल हो गए। पुलिस ने इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त थार गाड़ी, दो तमंचे, कारतूस और अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस ने दोनों को उपचार हेतु जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। गुरुवार दोपहर क्षेत्राधिकारी अनिल कुमार सिंह ने बताया कि राया से व्यापारी पुत्र के अपहरण और फिरौती मांगने के मामले में थार सवार दोनों बदमाशों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त गाड़ी और अवैध हथियार बरामद कर लिए हैं। घायलों का उपचार जिला अस्पताल में कराया जा रहा है और दोनों के खिलाफकानूनी कार्रवाई करते हुए उनका चालान किया जा रहा है।

नौहझील पुलिस ने पकड़ा गांजा तस्कर

अमर भास्कर, ब्यूरो

मथुरा। नौहझील पुलिस ने एक गांजा तस्कर को पकड़ा है। उसे शेरगढ़-रोड पर दौलतपुर मोड़ से गिरफ्तार किया गया। पुलिस को मुखबिर से इसकी जानकारी मिली थी। आरोपी लोकेंद्र (24) पुत्र नंदराम, निवासी बरहाना, कोसीकलां, मथुरा के पास से 10.150 किलोग्राम गांजा और बिना रजिस्ट्रेशन की एचएफडीलक्स मोटरसाइकिल मिली है। लोकेंद्र यह गांजा सुरीर ले जाकर बेचने वाला था। पूछने पर उसने बताया कि वह अलीगढ़ के खैर रोड से गांजा लाकर सुरीर इलाके में बेचता है। इससे वह अपने परिवार का खर्च चलाता है। जब उसे पकड़ा गया, तब एनडीपीएस एक्ट की धारा 50 के तहत नायब तहसीलदार मांट भी वहां मौजूद थे। पुलिस ने आरोपी पर एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में केस दर्ज किया है और आगे की जांच शुरू कर दी है। सीओ अमरनाथ यादव ने बताया कि नौहझील पुलिस ने तस्कर को पकड़ा है। उससे पूरे नेटवर्क की जानकारी इकट्ठी की जा रही है और जल्द ही एक्शन लिया जाएगा।

पाकिस्तान में स्कूल की छत गिरी, 30 की मौत, 40 से ज्यादा घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पेशावर में गुरुवार को एक निजी स्कूल की छत गिरने से बड़ा हादसा हो गया। इस दर्दनाक घटना में 29 बच्चों और एक महिला शिक्षक की मौत हो गई, जबकि 40 से ज्यादा लोग घायल हो गए। हादसा खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की राजधानी पेशावर के दीर कॉलोनी इलाके में हुआ। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बचाव दल मलबा हटाने और उसके नीचे दबे बच्चों व स्कूल के कर्मचारियों को तलाशने में जुट गए। वहीं, पुलिस ने स्कूल के मालिक को गिरफ्तार कर लिया

है। लेडी रीडिंग अस्पताल के प्रवक्ता मुहम्मद आसिम ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले 29 छात्रों में छह लड़कियां शामिल हैं। इसके अलावा एक महिला शिक्षक की भी मौत हुई है। उन्होंने बताया कि सभी बच्चों की उम्र 13 साल या उससे कम थी। इतनी कम उम्र के बच्चों की मौत से पूरे इलाके में शोक का माहौल है।हादसे में 40 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी देखभाल के लिए इमरजेंसी घोषित कर दी गई। अस्पताल प्रशासन घायलों को जल्द से जल्द बेहतर इलाज देने में जुटा है। हादसे में घायल लोगों की स्थिति को देखते हुए चिकित्सा सेवाओं को अलर्ट पर रखा गया है।छत गिरने के बाद बचाव दल मौके पर पहुंच गए और मलबा हटाने का काम शुरू कर दिया। टीमें इस कोशिश में जुटी हैं कि कहीं कोई बच्चा या स्कूल कर्मचारी मलबे के नीचे दबा न रह गया हो। हादसे के बाद राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया गया है, ताकि मलबे में फंसे लोगों को जल्द से जल्द बाहर निकाला जा सके।

पेशावर कैपिटल सिटी पुलिस के प्रमुख मियां सईद ने बताया कि हादसा शहर के अंदरूनी इलाके दीर कॉलोनी में हुआ। पुलिस ने स्कूल के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, पेशावर के डिप्टी कमिश्नर अफाक वजीर ने इमारत गिरने की घटना की जांच के आदेश दिए हैं। जांच में हादसे के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जाएगी।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफने हादसे में बच्चों और शिक्षक की मौत पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि घायलों को हर संभव बेहतर इलाज मुहैया कराया जाए। वहीं, खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने भी स्कूल की छत गिरने की घटना पर दुख जताया। हादसे में बड़ी संख्या में बच्चों की मौत के बाद पीड़ित परिवारों के बीच मातम पसरा हुआ है। दूसरी ओर, राहत और बचाव दल मलबे में किसी अन्य व्यक्ति के फंसे होने की आशंका को देखते हुए अपना अभियान जारी रखे हुए हैं।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अजरा परवीन द्वारा वेदवीर प्रिन्टर्स, विद्यापीठ पुरम् सिविल लाइन, बदायूं से मुद्रित एवं कार्यालय अमर भास्कर निकट रीजेन्सी होटल लावेला चौक, बदायूं (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक: अबरार अहमद** (इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन हेतु पी.आर.बी. की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी)। समस्त विवाद बदायूं न्यायालय के अधीन होगें। मोबाइल नं. 9411214614, ई-मेल: amarbhashkar21@gmail.com, RNI No.:- UPHIN/2023/91022